दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-149 | सीहोर,बुधवार 29 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

कील वाली लाठियां और पेलेट गन का इस्तेमाल', जंतर-मंतर प्रदर्शन पर एससी सख्त, सीजेआई बोले- तय हो जिम्मेदारी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश के विभिन्न हिस्सों और दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती और बर्बरता के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया है कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन होते रहते हैं, लेकिन अगर पुलिसिया कार्रवाई में किसी तरह की ज्यादती हुई है, तो उसकी पूरी तरह से स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। कोर्ट ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि अगर इस गंभीर मामले में दोषियों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई, तो किसी भी जांच का कोई औचित्य नहीं रह जाएगा और कानून को अपना काम हर हाल में करना होगा। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने याचिकाओं में लगाए गए बेहद गंभीर और खौफनाक आरोपों का सिलसिलेवार जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोटे तौर पर देखने पर पुलिस की कार्रवाई पर कई गंभीर सवाल खड़े होते हैं। कोर्ट ने विशेष रूप से पेलेट गन के इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई, जिसके कारण एक 19 साल के युवा की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए चली गई। इसके अलावा, प्रदर्शनकारियों पर इलेक्ट्रिक बैटन और जानलेवा कील वाली लाठियों का इस्तेमाल करने, एक युवती को गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती कराने और बिना किसी उकसावे के एक अन्य युवती को पुलिसकर्मी द्वारा थप्पड़ मारने जैसे मामलों को कोर्ट ने गंभीरता से लिया। इतना ही नहीं, पीठ ने एक मीडियाकर्मी पर हुए बेरहम हमले और सादे कपड़ों में आए पुलिसकर्मियों द्वारा हिंसा फैलाने के आरोपों को भी जांच के दायरे के लिए बेहद अहम माना है।

प्रदर्शनकारी छात्रों को राहत; हिंसा की एसआईटी जांच के आदेश, छात्र रिहा होंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को दिल्ली के जंतर-मंतर सहित देश के विभिन्न राज्यों में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए छात्र प्रदर्शनों से जुड़े मामले में प्रदर्शनकारियों को अंतरिम राहत प्रदान की है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने आदेश दिया कि प्रदर्शन में शामिल छात्रों के विरुद्ध फिलहाल कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। साथ ही विभिन्न राज्यों में पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए सभी नाबालिगों को तत्काल रिहा करने के निर्देश दिए। हालांकि न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह संरक्षण आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा।

बाबा बर्फानी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ बड़ा हादसा, गांदरबल में मकान पर गिरी बस; 30 श्रद्धालु घायल

गांदरबल (आरएनएस)। बाबा बर्फानी के दर्शन कर खुशी-खुशी घर लौट रहे श्रद्धालुओं की यात्रा मंगलवार को उस समय भयानक हादसे में बदल गई, जब गांदरबल के गुंड इलाके में उनकी बस एक जानलेवा मोड़ पर अनियंत्रित हो गई। 39 यात्रियों से भरी यह बस सड़क से फिसलते हुए सीधे नीचे बने एक मकान पर जा गिरी, जिससे मौके पर भारी चीख-पुकार मच गई। इस दुर्घटना में करीब 30 श्रद्धालु घायल हो गए हैं, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताते हुए प्रशासन को घायलों के बेहतर इलाज के सख्त निर्देश दिए हैं। हादसे की मुख्य वजह पहाड़ी रास्ते का खतरनाक होना और बस का बेकाबू होना बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बस जैसे ही गनीवान के पास एक संकरे रास्ते से गुजर रही थी, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सड़क से नीचे फिसलकर सीधे एक रिहायशी मकान पर जा गिरी। दुर्घटना की तेज आवाज सुनते ही स्थानीय लोग सबसे पहले मदद के लिए दौड़े।

महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व के रूप में मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद से पहले किया संबोधित

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संपूर्ण प्रदेश में इस वर्ष गुरू पूर्णिमा महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व के रूप में मनाई जाएगी। महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व के रूप में मनाई जा रही गुरू पूर्णिमा को जनभागीदारी के उत्सव के रूप में मनाया जायेगा। इसे सांस्कृतिक-शैक्षणिक जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए, जिससे गुरु-शिष्य परम्परा का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगणों को गुरु पूर्णिमा की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जितने भी सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण होना शेष है, उनका लोकार्पण शीघ्र करा लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले नवनियुक्त मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्य सचिव के रूप में अशोक बर्णवाल की यह मंत्रि-परिषद की पहली बैठक है। श्री बर्णवाल ने अपने 35 वर्ष के सेवाकाल में वन, पर्यावरण, कृषि, स्वास्थ्य, वित्त, कमजोर वर्ग कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विभागों के दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन किया। सुशासन और अनुशासन उनके लिए सर्वोपरि रहा है। कृषि कल्याण वर्ष 2026, युवा कल्याण वर्ष 2027, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 और सिंहस्थ 2028 जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों के देश और दुनिया साक्षी बनेंगे। इस दृष्टि से श्री बर्णवाल का कार्यकाल अनेक संभावनाओं से भरा होगा। हम सभी अपने मन की संकल्प शक्ति से बेहतर से बेहतर करने का प्रयास करेंगे। श्री बर्णवाल प्रदेश के गरीब, किसान, युवा और नारी सहित सभी वर्गों के लिए जनकल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि अनुराग जैन राज्य के पहले ऐसे अधिकारी हैं, जो मुख्य सचिव के बाद भारत सरकार के नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की ओर से नए दायित्व के लिए श्री जैन को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

पुलिस ने परेशान करना जारी रखा तो फिर करेंगे बड़ा आंदोलन,CJP के अभिजीत दीपके की चेतावनी

नई दिल्ली(ए.)। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने एक बार फिर सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। पार्टी के प्रमुख नेता अभिजीत दीपके ने चेतावनी दी है कि यदि प्रदर्शन में शामिल छात्रों और युवाओं को कथित तौर पर परेशान करने का सिलसिला नहीं रुका तो संगठन जल्द ही देशव्यापी और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करेगा।अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी पोस्ट में कहा कि सरकार को छात्रों को निशाना बनाना बंद करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों से प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस की सख्ती और उत्पीड़न की शिकायतें सामने आ रही हैं। यदि यह क्रम जारी रहा तो CJP बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होगी। दीपके ने स्पष्ट किया कि हाल में आंदोलन स्थगित करने का अर्थ यह नहीं है कि अभियान समाप्त हो गया है।

मूंग खरीदी और खाद को लेकर किसानों का भोपाल कूच, मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की दी चेतावनी

भोपाल/नर्मदापुरम (निप्र.)। मध्य प्रदेश में मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी और खाद वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर किसान सड़कों पर आ गए हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले निकाली जा रही किसान क्रांति पैदल यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को किसान बरखेड़ा से राजधानी भोपाल की ओर बढ रहे हैं। किसानों ने मांगें पूरी न होने पर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की चेतावनी दी है। सोमवार को नर्मदापुरम के नर्मदा ब्रिज से शुरू हुई इस पैदल यात्रा के दौरान कई स्थानों पर पुलिस और किसानों के बीच तीखी झड़प हुई। प्रशासन द्वारा की गई नाकेबंदी और बैरिकेडिंग को दरकिनार करते हुए आक्रोशित किसान बुधनी क्षेत्र में पुलिस के 5

बैरिकेड्स हटाकर गड़रिया नाला पार कर गए। लगभग 10 से 11 घंटे तक चले पुलिस-प्रशासन और किसानों के बीच इस आमने-सामने के गतिरोध के बाद किसान देर रात औबेदुल्लागंज-बैतूल फोरलेन स्थित बरखेड़ा पहुंचे और वहीं पड़ाव डाला। मंगलवार को यात्रा पुनः भोपाल की ओर बढ़ी, जहां औबेदुल्लागंज टोल प्लाजा पर उन्हें भारी पुलिस बल ने रोक लिया, लेकिन बाद में जाने दिया गया। औबेदुल्लागंज टोल प्लाजा के पास रुके किसान अब भोपाल की ओर निकल चुके हैं। किसान संगठनों के अनुसार, करीब 2 हजार किसान पैदल राजधानी की ओर बढ़ रहे हैं। उनके साथ सैकड़ों ट्रैक्टर, ट्रॉली और अन्य वाहन भी चल रहे हैं। पैदल मार्च भी शुरू कर दिया। आंदोलनकारी किसानों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर किसी भी कीमत पर पीछे हटने वाले नहीं हैं और भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। करीब 2000 से ज्यादा किसान अपने साथ ट्रैक्टर में 7 दिन का राशन-पानी लेकर आ रहे हैं। किसानों के आगे बढ़ने के बाद पुलिस और प्रशासन भी पूरी सतर्कता के साथ स्थिति पर नजर बनाए हुए है। राजधानी की सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष हरपाल सिंह सोलंकी ने रायसेन जिला प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों के रात्रि विश्राम को रोकने के लिए औबेदुल्लागंज स्थित गुरुद्वारे को बंद करवा दिया गया, जिसके कारण किसानों को खुले में रात बितानी पड़ी। किसान नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि विदिशा, रायसेन, हरदा, नर्मदापुरम और बुधनी के ग्रामीण इलाकों को जोड़ने वाले मुख्य मार्गों पर पुलिस बल, एसडीएम और तहसीलदारों को तैनात कर नाकेबंदी कर दी गई है, ताकि अन्य किसान भोपाल मार्च में शामिल न हो सकें।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में खाई में गिरी कार, परिवार के 5 सदस्यों की मौत

बंबा,(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन के बीच एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां के चंबा जिले में सोमवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई, जिससे

कार सवार एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा भरमौर-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर लाहड़ के पास हुआ है। मृतकों में 2 महिला, 2 पुरुष और एक 3 माह की बच्ची शामिल हैं। बचन सिंह (60) और उनके परिवार के सदस्य सोमवार को चंडीगढ़ पीजीआई से बच्ची का इलाज कराकर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। कार बचन सिंह चला रहे थे। उसमें उनके बेटे रिपन कुमार (30), बहु रिम्पी (26), भतीजी कीर्ति और 3 महीने की पोती सवार थे। कीर्ति चंडीगढ़ में पढ़ाई करती है, जो उनके साथ लौट रही थी।हादसे की सूचना के बाद लगातार बारिश और बनीखेत के समीप राजमार्ग बाधित होने से टीम थोड़ी देर में पहुंची।चंबा समेत कई जिलों में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। सड़कें बंद हो चुकी हैं, जबकि कई इलाकों में घरों में पानी घुस गया है। भारतीय मौसम विभाग ने पिछले 24 घंटे में चंबा में 137.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की है, जो पूरे राज्य में सबसे अधिक है। इसके बाद नैना देवी में 118 मिलीमीटर बारिश हुई है। पूरे इलाके में लोगों को अलर्ट किया गया है। सरकार ने सभी विभागों को सतर्क किया है।

राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी को बलात्कारियों को संरक्षण देने वाला घिनौना आदमी कहा

नईदिल्ली, (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को नए कार्यवाहक केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें सबसे घिनौना आदमी बताया। कांग्रेस सांसद ने संसद परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जोशी को शिक्षा मंत्री नियुक्त करने के फैसले पर सवाल उठाया। राहुल ने कहा कि जो व्यक्ति बलात्कारियों को संरक्षण देने की बात कहता है, उससे घिनौना व्यक्ति कोई नहीं हो सकता।राहुल ने पत्रकारों से कहा, भाजपा ने भारत के शिक्षा मंत्री के तौर पर एक ऐसे व्यक्ति को चुना है, जो बलात्कारियों का बचाव करता है। वह बेहद घिनौना किस्म का इंसान है। जो व्यक्ति यह कहे कि बलात्कारियों को सुरक्षा की जरूरत है, उससे ज़्यादा घिनौना इंसान कोई नहीं हो सकता। आज भारत के शिक्षा मंत्री वही व्यक्ति हैं।

मध्य प्रदेश में मानसून फिर हुआ सक्रिय, 8 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश में मानसून ट्रफ सहित दो मौसम प्रणालियों के प्रभाव से कई जिलों में बारिश का दौर जारी है। आज मंगलवार को सतना, कटनी, उमरिया, मंडला, डिंडौरी, सिवनी, रायसेन और बैतूल समेत 8 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में अगले 24 घंटे के दौरान 4 इंच या उससे अधिक बारिश होने की संभावना जताई गई है।राजधानी भोपाल में सुबह से ही रुक-रुककर हल्की बारिश हो रही है। वहीं प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश का अनुमान है। इनमें भोपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, हरदा, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बालाघाट, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब तक औसतन 13.2 इंच (336.7 मिमी) बारिश दर्ज की गई है, जबकि इस समय तक 16 इंच (407 मिमी) वर्षा होनी चाहिए थी।

वैष्णो देवी श्रद्धालुओं को बड़ी सौगात: रेलवे ने तीन नई ट्रेन सेवाओं की घोषणा की, दो नई वंदे भारत भी दौड़ेंगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे ने जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए

बड़ी सौगात दी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या और त्योहारों के दौरान होने वाली अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने तीन नई ट्रेन सेवाएं शुरू करने की घोषणा की है। इनमें दो नई वंदे भारत एक्सप्रेस और एक एक्सप्रेस ट्रेन शामिल हैं। इन सेवाओं के शुरू होने से श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए अधिक विकल्प मिलेंगे तथा टिकट उपलब्धता में भी सुधार होने की उम्मीद है।रेलवे द्वारा घोषित नई ट्रेन सेवाओं में नई दिल्ली श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस, जम्मू तवी श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस तथा अमृतसर श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस शामिल हैं। इनमें नई दिल्ली से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस श्रद्धालुओं को सीधे कटरा तक पहुंचाएगी, जो वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा का आधार स्थल है। रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि ये नई ट्रेनें मौजूदा रेल सेवाओं का विकल्प नहीं होंगी, बल्कि यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त सेवाओं के रूप में संचालित की जाएंगी। अपनी सुविधा, समय और बजट के अनुसार पहले से संचालित वंदे भारत एक्सप्रेस, श्री शक्ति एक्सप्रेस, जम्मू राजधानी एक्सप्रेस तथा स्वराज एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों से भी यात्रा कर सकेंगे।

लोकसभा में प्रियंका गांधी का हमला: प्रधानमंत्री की कार्य बल समिति के सदस्य को बताया गोमूत्र विशेषज्ञ

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में मंगलवार को सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस महासचिव एवं वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर

तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गठित उच्च स्तरीय कार्य बल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए समिति के एक सदस्य को गोमूत्र विशेषज्ञ कह दिया। उनके इस बयान पर सदन में राजनीतिक हलचल तेज हो गई।विधेयक पर चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि वर्ष 2024 में पारित कानून के बावजूद सरकार अब उसी विषय पर संशोधन लेकर आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार नई-नई समितियां बनाकर मूल समस्याओं से ध्यान हटाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों पर अब तक प्रभावी अमल नहीं हुआ है, जबकि नई समिति में पूर्व खुफिया ब्यूरो प्रमुख, एक सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी के प्रमुख और एक गोमूत्र विशेषज्ञ को शामिल किया गया है।प्रियंका गांधी का इशारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के निदेशक वी. कामाकोटी की ओर माना गया। उन्हें हाल ही में राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए गठित उच्च स्तरीय कार्य बल का सदस्य बनाया गया है। वी. कामाकोटी का नाम जनवरी 2025 में उस समय चर्चा में आया था, जब उन्होंने चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में एक संन्यासी का प्रसंग सुनाते हुए कहा था कि गोमूत्र के सेवन के बाद उनका तेज बुखार कम हो गया था।

एंटी-पेपर लीक बिल पर चर्चा-जितेंद्र सिंह बोले- परीक्षा लीक करने वालों को अब 5 महीने में मिलेगी सजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में मंगलवार को पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू हुई। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य पेपर लीक, संगठित परीक्षा घोटालों और अन्य अनुचित गतिविधियों पर पहले से अधिक प्रभावी ढंग से रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह विधेयक पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन के लिए लाया गया है। उन्होंने बताया कि 2024 का कानून परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन अब उसे और मजबूत करने की जरूरत महसूस हुई। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद सरकार यह संशोधन लेकर आई है ताकि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। कहा कि पेपर लीक की घटनाएं किसी एक राज्य तक सीमित नहीं रही हैं। अलग-अलग राज्यों और अलग-अलग परीक्षाओं में पहले भी ऐसे मामले सामने आते रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

लोक नीति और सुशासन क्षेत्र में संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सुशासन संस्थान और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वेस्ट मैनेजमेंट के मध्य हुआ एमओयू

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोक नीति और सुशासन क्षेत्र में संस्थागत सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस क्रम में सुशासन, पर्यावरण संरक्षण, संसाधन प्रबंधन, सार्वजनिक नीति और सतत विकास के क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग के लिए अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाने की पहल की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वेस्ट मैनेजमेंट (आईआईडब्ल्यूएम) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में हुए इस एमओयू के अवसर पर सभी संबंधित पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने के लिए बधाई दी। एमओयू पर अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान की ओर से उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वेस्ट मैनेजमेंट (आईआई डब्ल्यू एम) की ओर से श्री प्रवीण रामदास मैनेजिंग ट्रस्टी उपस्थित थे। इस एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से शोध, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण कार्यक्रम और अनेक अकादमिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करेंगे। यह सुशासन, सार्वजनिक नीति, पर्यावरण प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण ज्ञान और व्यावहारिक समाधान विकसित करने में मददगार होगा। एमओयू के अवसर पर संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विभाष ठाकुर और आईआईडब्ल्यूएम के न्यासी श्री विजय सखलेचा और गवर्निंग कौंसिल सदस्य डॉ. एन पी शुक्ला, मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी और हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष अशोक कड़ेल उपस्थित थे।

ग्रीन हाइड्रोजन समेत स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे क्रिस्प और मैनिट

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल ग्रीन हाइड्रोजन एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी सुनील वर्मा ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि क्रिस्प और मैनिट के बीच ग्रीन हाइड्रोजन एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में कौशल विकास, अनुसंधान एवं स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर हुए। एमओयू पर मैनिट की डीन प्रो. (डॉ.) अनुपमा शर्मा एवं क्रिस्प के सहायक महाप्रबंधक (ए.जी.एम) फैसल जाफरी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर क्रिस्प की ओर से डिप्टी मैनेजेर अविनाश जैन एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर शिवम आर. वर्मा उपस्थित रहे। वहीं मैनिट की ओर से एच.ओ.डी एवं एसोसिएट प्रोफेसर केमिकल इंजीनियरिंग, डॉ. मीना अग्रवाल (प्रभारी एच.ओ.डी, डिपार्टमेंट ऑफ़ एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग)प्रो. (डॉ.) सुरेश सुंदरमूर्ति सहित अन्य वरिष्ठ प्राध्यापकगण मौजूद रहे। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि यह साझेदारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विजन के अनुरूप देश में ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, डीकार्बोनाइजेशन तथा कार्बन न्यूट्रल तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस सहयोग के माध्यम से युवाओं, उद्योगों और तकनीकी संस्थानों को भविष्य की उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एम.ओ.यू के तहत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से विद्यार्थियों, फैकल्टी, उद्योगों एवं तकनीकी विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, औद्योगिक परामर्श सेवाएं तथा तकनीकी परियोजनाओं का संचालन करेंगे। साथ ही तकनीकी शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों की प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण, उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास तथा अनुसंधान गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

आयुष्मान भारत योजना के निरीक्षण में श्री हरि मल्टीकेयर हॉस्पिटल अक्रियाशील पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी

भोपाल (आरएनएस)। अपर मुख्य सचिव के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह के मार्गदर्शन में आयुष्मान भारत योजना की टीम द्वारा श्री हरि मल्टीकेयर हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल अक्रियाशील पाया गया। साथ ही योजना के प्रावधानों के उल्लंघन सहित विभिन्न अनियमितताएं भी पाई गई। इसके फलस्वरूप अस्पताल को कारण बताओ (Show Cause) नोटिस जारी किया गया। प्रकरण को गंभीरता दृष्टिगत रखते हुए अस्पताल के राज्य स्तरीय पैनलमेंट (State Empanelment) को निलंबित किए जाने की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। अस्पताल प्रबंधन को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना पक्ष एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त स्पष्टीकरण, निरीक्षण प्रतिवेदन तथा उपलब्ध अभिलेखों के परीक्षण के उपरांत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

होमस्टे को प्रोत्साहित करने के लिए पर्यटन और वन विभाग मिलकर कार्य करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भगोरिया उत्सव का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार और उनके बेहतर संचालन के लिए पर्यटन विभाग, वन तथा संस्कृति विभाग के साथ समन्वय कर गतिविधियों का संचालन करें। इससे ग्रामीण और वनांचल में स्थित होमस्टे को प्रोत्साहित करने में भी मदद मिलेगी। यह सुनिश्चित किया जाए कि पर्यटन विकास निगम द्वारा निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित गतिविधियों के लिए जारी होने वाली अनुमतियों में विलंब नहीं हो। प्रत्येक स्तर पर त्वरित, सुगम और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित गतिविधियों की मंत्रालय में समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, प्रबंध संचालक राज्य पर्यटन विकास निगम डॉ. इलैयाराजा टी. तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सभी बड़े शहरों में निजी निवेश को प्रोत्साहित कर कन्वेंशन सेंटर विकसित किए जाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्यमार्ग तथा ग्रीनफील्ड के पास विकसित होने वाले मार्ग सुविधा केन्द्रों के साथ हॉस्पिटल, ट्रामा सेंटर, पेट्रोल पम्प, चार्जिंग स्टेशन आदि की व्यवस्था की जाए। इनका संचालन पीपीपी मोड पर करने के संबंध में भी विचार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी बड़े शहरों में निजी निवेश को प्रोत्साहित कर कन्वेंशन सेंटर विकसित किए जाएं। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए आस्था से जुड़े सभी स्थानों तक आवागमन और वहां की व्यवस्था बेहतर बनाने में हरसंभव सहयोग दिया जाए।

पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने के लिए भी कार्यवाही जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन में आरंभ हो रही कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए यात्रा मार्ग पर प्रत्येक 15-20 कि.मी. पर भोजन-प्रसादी आदि की व्यवस्था हो। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए सुविधा केन्द्रों की व्यवस्था भी की जाए। इस व्यवस्था में धार्मिक संस्थाओं से सहयोग और जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगोरिया मध्यप्रदेश का विलक्षण उत्सव है, अगले वर्ष के भगोरिया की तिथियां अभी से जारी कर इसका राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बताया गया कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने के लिए भी कार्यवाही जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वेस्ट मैनेजमेंट (आईआई डब्ल्यू एम) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।

युवराज बाघ का खिवनी अभ्यारण से वन विहार तक का सफर

भोपाल (ए.)। युवराज बाघ का जन्म लगभग एक दशक पूर्व खिवनी अभ्यारण में हुआ था। जन्म के 2 वर्ष पश्चात् यह लगातार खिवनी अभ्यारण के पर्यटन क्षेत्र में पर्यटकों को दिखता रहा। वयस्क अवस्था में यह खिवनी अभ्यारण की राधा (बाघिन) एवं मीरा (बाघिन) के साथ भी रहा और उसने खिवनी अभ्यारण में बाघों का कुनवा बढ़ाने में विशेष योगदान दिया। जून के तीसरे सप्ताह के अन्त में उसकी टेरीटरी में युवा बाघ आ जाने के कारण उसकी लड़ाई युवा बाघ से हुई। जिस कारण यह अत्यंत घायल हुआ, फलस्वरूप यह चल-फिर नहीं पा रहा था। उसकी इस अवस्था को देखते हुए वन विभाग द्वारा उसको पकड़ने का निर्णय लिया गया और दिनांक 27 जून को विपरीत परिस्थितियों में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल की रेस्क्यू टीम के अथक प्रयासों से युवराज बाघ को रेस्क्यू कर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल लाया गया। 6 दिन बाद उसको (युवराज) बेहोश कर उसका सघन स्वास्थ्य परीक्षण एवं एक्स-रे किया गया। गहन परीक्षण में पाया गया कि उसके आगे के दोनों पैरों में एवं पिछले बांए पैर में गहरे घाव थे एवं एक्सरे से पता चला कि उसके आगे के दोनों पंजों में फेक्चर है।

मध्य प्रदेश में मूंग खरीदी की धीमी रफ्तार पर कमलनाथ सरकार पर हमला, मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में मूंग की सरकारी खरीद की धीमी गति को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर किसानों के हित में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित खरीद लक्ष्य के मुकाबले अब तक केवल दो प्रतिशत मूंग की खरीद हुई है, जिससे किसान अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने को मजबूर हैं। कमलनाथ ने मंगलवार को अपने पत्र में लिखा कि मध्य प्रदेश देश का सबसे बड़ा मूंग उत्पादक राज्य है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश से 4.54 लाख मीट्रिक टन मूंग खरीदने का लक्ष्य तय किया है, जो देश की कुल सरकारी मूंग खरीद का लगभग 87 प्रतिशत है। इसके बावजूद मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 16 जुलाई तक निर्धारित लक्ष्य का केवल दो प्रतिशत ही खरीदा जा सका है। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद की धीमी प्रक्रिया किसानों के साथ अन्याय है। यदि केंद्र सरकार ने इतना बड़ा खरीद कोटा स्वीकृत किया है, तो राज्य सरकार को तत्काल बड़े पैमाने पर खरीद सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की, ताकि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ मिल सके और उन्हें कम कीमत पर फसल बेचने के लिए मजबूर न होना पड़े। प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग खरीद में देरी और कथित अव्यवस्थाओं को लेकर किसानों का विरोध लगातार बढ़ रहा है। हरदा, बैतूल सहित कई जिलों में किसान प्रदर्शन कर चुके हैं और खरीद व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। विपक्षी कांग्रेस भी इस मुद्दे को लगातार उठाते हुए सरकार पर किसानों की उपेक्षा का आरोप लगा रही है। कमलनाथ ने अपने पत्र में कहा कि किसानों की परेशानियों को देखते हुए मूंग खरीद अभियान में तत्काल तेजी लाई जाए और प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी कदम उठाकर किसानों के संकट का शीघ्र समाधान किया जाए।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध शराब तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

भोपाल (ए.)प्रदेश में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार सघन एवं सुनियोजित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में इंदौर एवं छतरपुर पुलिस ने अलग - अलग कार्यवा ?ही करते हुऐ 1 करोड़ 31 लाख रुपये से अधिक कीमत की अवैध शराब एवं तस्करी में प्रयुक्त दो ट्रक, एक कार एवं मोटरसाइकिल को जब्त किया है।

होम स्टे योजना प्रशिक्षण कार्यशाला 30 जुलाई को उज्जैन में, होम स्टे योजना से जुड़ें और बढ़ाएं आय

होम स्टे का पंजीयन प्रक्रिया, पंजीयन अर्हताएं और लाभ से कराया जाएगा अवगत

भोपाल (ए.)। सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के लिए बेहतर आवास सुविधाओं का विस्तार तथा स्थानीय नागरिकों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा होम स्टे योजना के अंतर्गत उज्जैन में 30 जुलाई को एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित होगी, जिसमें प्रतिभागियों को मध्यप्रदेश होम स्टे योजना की विस्तृत जानकारी, योजना के महत्व, आवेदन एवं पंजीयन की सरल प्रक्रिया, पात्रता एवं आवश्यक अर्हताओं, योजना से मिलने वाले आर्थिक एवं व्यावसायिक लाभों तथा पंजीयन के उपरांत उपलब्ध सुविधाओं एवं संबंधित दायित्वों की जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्यशाला का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को होम स्टे योजना से जोड़कर पर्यटन आधारित स्वरोजगार को बढ़ावा देना और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को सशक्त बनाना है।

होम स्टे पंजीयन से खुलेंगे आय के नए द्वार

उज्जैन के ऐसे नागरिक जिनके घर में अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध हैं या जो मध्यप्रदेश होम स्टे योजना की पात्रता पूरी करते हैं, वे इस योजना में पंजीयन कर पर्यटन से जुड़कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। कार्यशाला में प्रतिभागियों को होम स्टे योजना की पात्रता, पंजीयन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, मिलने वाले लाभ तथा संचालन संबंधी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से दी जाएंगी, जिससे वे योजना का लाभ उठाकर स्वरोजगार और आय के नए अवसर प्राप्त कर सकें।

मध्यप्रदेश में लगभग 600 होम स्टे की पंजीकृत इकाई

पर्यटकों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय जीवनशैली का प्रामाणिक अनुभव उपलब्ध कराने, प्रदेश में अतिरिक्त आवासीय सुविधाओं का विस्तार करने, पर्यटन क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने तथा स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और आय के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा होम स्टे योजना का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 600 होम स्टे इकाइयां पंजीकृत हैं, जिनमें से 101 पंजीकृत होम स्टे उज्जैन शहर में संचालित हो रहे हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन समेत स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे क्रिस्प और मैनिट

भोपाल (ए.)। सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल के बीच ग्रीन हाइड्रोजन एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में कौशल विकास, अनुसंधान एवं स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर हुए। यह साझेदारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विजन के अनुरूप देश में ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, डीकार्बोनाइजेशन तथा कार्बन न्यूट्रल तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस सहयोग के माध्यम से युवाओं, उद्योगों और तकनीकी संस्थानों को भविष्य की उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाएगा। एम.ओ.यू के तहत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से विद्यार्थियों, फैकल्टी, उद्योगों एवं तकनीकी विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, औद्योगिक परामर्श सेवाएं तथा तकनीकी परियोजनाओं का संचालन करेंगे।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान को मिली ऐतिहासिक सफलता

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 (Say No To Drugs) अभियान के अंतर्गत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने जनभागीदारी का नया इतिहास रचते हुए एक साथ 1लाख 75 हजार 451 नागरिकोंको नशामुक्ति की ई-शपथ दिलाकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह उपलब्धि न केवल इंदौर, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस एवं नागरिकों की साझा प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। अभियान के अंतर्गत 28 जुलाई 2026 को आयोजित राज्य के सबसे बड़े ई-शपथ कार्यक्रम में शहर के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों, पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों, शासकीय एवं निजी संस्थाओं, कॉर्पोरेट कार्यालयों, सामाजिक संगठनों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता करते हुए नशे से दूर रहने तथा समाज को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। मुख्य कार्यक्रम इंदौर पुलिस आयुक्त कार्यालय से आयोजित किया गया, जहां से जूम, यूट्यूब लाइव एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से शहर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, पुलिस इकाइयों, थानों, पुलिस लाइन, आरएपीटीसी, बटालियन पीटीसी, होमगार्ड, निजी संस्थानों, कॉर्पोरेट कार्यालयों, रिहेबिलिटेशन सेंटर तथा अन्य संगठनों को जोड़ा गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त इंदौर संतोष कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की सामूहिक ई-शपथ दिलाई।

जमीनी अनुभव ही बनेंगे प्रशिक्षण, डिजिटल नवाचार और सेवा सुधार की नई दिशा

भोपाल (ए.)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण एवं रूपांतरण के उद्देश्य से मंगलवार को संचालनालय, महिला एवं बाल विकास, भोपाल में राज्य स्तरीय विचार-मंथन (ब्रेनस्टॉर्मिंग) कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेश के सभी संभागों से चयनित सक्रिय, नवाचारी एवं कार्य के प्रति समर्पित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनके अनुभव, सुझाव, नवाचार और जमीनी चुनौतियों को विस्तार से सुना। आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि इस कार्यशाला में शामिल लगभग 90 प्रतिशत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उच्च शिक्षित हैं।

भोपाल के कलियासोत डैम के वेटलैंड में मड स्टंट पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 10 वाहन जब्त, स्टंटबाजों पर एफआईआर दर्ज

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कलियासोत डैम के वेटलैंड क्षेत्र में वाहनों से खतरनाक स्टंटबाजी और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के मामले में मंगलवार को रातीबड़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 चारपहिया वाहन जब्त किए हैं। पुलिस ने स्टंटबाजी में शामिल लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी पहचान और गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, रविवार 26 जुलाई को कलियासोत डैम के वेटलैंड क्षेत्र में कई वाहन चालक कीचड़ और जलभराव वाले इलाके में तेज रफ्तार से स्टंट करते नजर आए। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद थे, जिससे किसी भी समय गंभीर हादसा हो सकता था। स्टंटबाजी के कारण प्राकृतिक जलाशय को भी नुकसान पहुंचा और पर्यावरण प्रदूषित होने की आशंका बनी।

पुलिस की जांच में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

रातीबड़ थाना पुलिस ने बताया कि कार्रवाई से बचने के लिए कई स्टंटबाजों ने वाहनों पर जमी मिट्टी साफ कर दी थी, ताकि नंबर प्लेट और पहचान छिपाई जा सके। हालांकि तकनीकी साक्ष्यों, वीडियो फुटेज और खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने स्टंट में इस्तेमाल किए गए वाहनों और उनके मालिकों की पहचान कर ली है। फिलहाल 10 वाहन जब्त किए जा चुके हैं, जबकि अन्य आरोपियों और वाहनों की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 281, 170, 271 और 279 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि उन्होंने लापरवाही और खतरनाक तरीके से वाहन चलाकर मानव जीवन को खतरे में डाला, प्राकृतिक जलाशय को प्रदूषित किया और संक्रमण फैलने की आशंका उत्पन्न की।पुलिस आयुक्त संजय कुमार और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेन्द्र सिंह चौहान के निर्देश पर शहर में स्टंटबाजी और खतरनाक वाहन संचालन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-1 अखिल पटेल के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रश्मि अग्रवाल दुबे तथा सहायक पुलिस आयुक्त अंकिता खातरकर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रास बिहारी शर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

पर्यावरणविदों ने भी जताई थी आपत्ति

कलियासोत वेटलैंड में आयोजित कथित मड रैली को लेकर पर्यावरणविदों ने भी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई थी। उनका कहना है कि इस तरह की गतिविधियों से वेटलैंड की जैव विविधता, जलीय जीव-जंतुओं और वन्यजीवों को नुकसान पहुंचता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को श्री खेड़ापति हनुमान महालोक के दर्शन किए ।

बेटी की तस्वीर जलाकर सभी रिश्ते किए खत्म, प्रेम विवाह पर परिवार का विरोध

उज्जैन (ए.)। उज्जैन के खाचरौद में एक परिवार ने ऐसा कदम उठाया, जिसने पूरे इलाके को झकझोर दिया। अलग समाज के युवक से प्रेम विवाह करने पर नाराज परिजनों ने अपनी 18 वर्षीय जीवित बेटी का प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार कर दिया। उन्होंने बेटी की तस्वीर जलाई, 'गोरनी' की रस्म निभाई और घोषणा कर दी कि आज से वह उनके लिए मृत समान है।

घटना खाचरौद शहर की है, जहां प्रजापति समाज के लोगों की मौजूदगी में यह पूरा कार्यक्रम किया गया। परिवार के अनुसार, उनकी बेटी पेशे से मेकअप आर्टिस्ट है और उसकी उम्र करीब 18 वर्ष 2 माह है। आरोप है कि उसने अपनी पसंद से दूसरे समाज के युवक से प्रेम विवाह कर लिया।

युवती ने माता-पिता और दोनों भाइयों को पहचानने मनाकर दिया

परिजनों का कहना है कि उन्होंने बेटी को कई बार समझाने का प्रयास किया। मामला पुलिस थाने तक भी पहुंचा, जहां परिवार ने उसे घर लौटने के लिए कहा, लेकिन युवती अपने निर्णय पर अडिग रही। परिजनों का आरोप है कि थाने में युवती ने माता-पिता और दोनों भाइयों तक को पहचानने से इनकार कर दिया। इससे आहत होकर परिवार ने यह कठोर निर्णय लिया।

ऐसे किया प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार

बेटी की तस्वीर को अग्नि देकर प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार किया गया। समाज की पारंपरिक 'गोरनी' रस्म निभाकर परिवार ने उससे सभी रिश्ते समाप्त करने की घोषणा की। इस रस्म के बाद त्याग किए गए परिवार के सदस्य से परिवार के अन्य सदस्यों का कोई रिश्ता या जुड़ाव नहीं रह जाता है।

बेदखल करने की घोषणा

पिता और दोनों भाइयों ने सार्वजनिक रूप से ऐलान किया कि आज से बेटी के साथ उनके सभी पारिवारिक और सामाजिक संबंध समाप्त हैं। इस दौरान पिता और दोनों भाई भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि बेटी का बड़े स्नेह और संघर्ष के साथ पालन-पोषण किया था, लेकिन अब उससे सभी रिश्ते खत्म कर रहे हैं।

समाजजनों ने क्या कहा?

समाज के लोगों ने कहा कि यह कदम उन युवतियों के लिए संदेश है, जो यह सोचती हैं कि केवल वही अपने माता-पिता का त्याग कर सकती हैं। उनका कहना था कि माता-पिता भी ऐसी स्थिति में अपनी बेटी से संबंध समाप्त करने का निर्णय ले सकते हैं।

परिवार ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की है कि ऐसे मामलों में विवाह पंजीकरण से पहले माता-पिता को सूचना देने की व्यवस्था की जाए, ताकि उन्हें भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिल सके।

कलेक्टर-एसपी मौके पर पहुंचे, तीन जिलों से पुलिस बल बुलाया गया; मामला क्या?

शहडोल (ए.)। शहर के सोहागपुर थाना क्षेत्र में जयस्तंभ के आगे स्थित एक होटल के बाहर रविवार देर रात दो पक्षों के बीच हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। मारपीट और हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। हालात की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल भी मौके पर पहुंचे तथा कानून-व्यवस्था का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एहतियात के तौर पर उमरिया और अनूपपुर से अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया, जबकि शहडोल जिले के कई थानों का पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। पुलिस के अनुसार, न्यू बस स्टैंड निवासी आकाश पाठक अपने साथियों के साथ जयस्तंभ के पास स्थित एक होटल में खाना पैक कराने पहुंचे थे। इसी दौरान पार्किंग करते समय वाहन टच होने की बात को लेकर दूसरे पक्ष से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया गया, जिसमें आकाश पाठक सहित कई लोग घायल हो गए।

मैहर में तस्करी का भंडाफोड़: करंट लगाकर करते थे वन्यजीवों का शिकार, चार आरोपी गिरफ्तार, तीन अभी भी फरार

मैहर (ए.)। मैहर वनमंडल के मैहर परिक्षेत्र की सढेरा बीट के ग्राम भदनपुर दक्षिण पट्टी में करंट लगाकर वन्यजीवों का शिकार करने और उनके अंगों की अवैध तस्करी के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। न्यायालय ने सभी आरोपियों को पूछताछ के लिए 28 और 29 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। वहीं, मामले के तीन आरोपी अब भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी पर वन विभाग ने 2,000 के नगद इनाम की घोषणा की है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

वन विभाग ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ वन अपराध प्रकरण क्रमांक 201/04 दर्ज किया है। उनके विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 (संशोधित अधिनियम-2022) की धारा 9, 39, 2(16), 2(20), 51 और 52 के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में केशरबाई केवट, शिव प्रसाद केवट, फूल कुमार केवट (तीनों निवासी भदनपुर दक्षिण पट्टी) तथा सुरेंद्र सिंह उर्फ भैया (निवासी सोनवारी) शामिल हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मैहर में तेज रफ्तार पिकअप वाहन पलटा: 12 श्रद्धालु घायल व दो की हालत गंभीर; दुबेही मोड़ के पास हुआ हादसा

मैहर (ए.)। मैहर जिले के नादन थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। दुबेही मोड़ के पास तेज रफ्तार से जा रहा एक पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में वाहन में सवार 12 श्रद्धालु घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

सभी घायलों का अमरपाटन सिविल अस्पताल में उपचार

हादसे की सूचना मिलते ही नादन थाना पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सिविल अस्पताल अमरपाटन भेजा गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने उनका इलाज शुरू किया।

ओरछा में सतार नदी में गिरी कार, छह लोग घायल; स्थानीय लोगों और पुलिस ने सभी को सुरक्षित निकाला

टीकमगढ़ (ए.)। बुंदेलखंड की अयोध्या के नाम से प्रसिद्ध ओरछा में रविवार को दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार सतार नदी में अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में कार सवार दो पुरुष, तीन महिलाएं और एक लड़की घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों के साथ पुलिस और 112 की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे सभी छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी लोग ओरछा में दर्शन करने के बाद वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सतार नदी के पास कार अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस के सहयोग से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

सूचना मिलते ही 112 वाहन के पायलट मनजीत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। उस समय कार नदी में गिर चुकी थी और उसमें छह लोग फंसे हुए थे।

स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए ओरछा के पास स्थित यथार्थ हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि हादसे में घायल सभी लोग झांसी जिले के रहने वाले हैं।

हादसे में सभी को चोटें आई हैं, लेकिन सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। पुलिस ने घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। घटना के बाद पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया कार के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह माना जा रहा है।

गुरु पूर्णिमा पर उमड़ेगी श्रद्धा की धारा, ओंकारेश्वर में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की तैयारी पूर्ण

ओंकारेश्वर (ए.)। गुरु पूर्णिमा महापर्व को लेकर भगवान श्री ओंकारेश्वर एवं श्री ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग की नगरी पूरी तरह भक्तिमय हो गई है। खंडवा स्थित दादाजी धाम में दर्शन करने के बाद मंगलवार से ही श्रद्धालुओं का ओंकारेश्वर पहुंचना प्रारंभ हो गया। बैतूल, छिंदवाड़ा, मुलताई, विदर्भ तथा मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु भगवान ओंकारेश्वर एवं ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर ओंकार पर्वत की परिक्रमा कर रहे हैं। मंदिर परिसर, नर्मदा घाटों और आश्रमों में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। ओंकारेश्वर श्रीजी मंदिर ट्रस्ट के प्रबंध ट्रस्टी राजा राव पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के

अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सामान्य दर्शन मार्ग पर शुद्ध पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था भी की गई है, ताकि दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नगर में यातायात व्यवस्था से व्यापारियों की बढ़ी चिंता

गुरु पूर्णिमा की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने शुक्रवार से आदि गुरु शंकराचार्य तिराहे से चार पहिया वाहनों के नगर प्रवेश पर रोक लगाकर उन्हें ओंकारेश्वर बांध के सामने स्थित कुबेर भंडारी क्षेत्र की पार्किंग में भेजना शुरू किया। इस व्यवस्था से जहां श्रद्धालुओं को पैदल अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है, वहीं मुख्य बाजार, पुराना बस स्टैंड, बालवाड़ी, नागरघाट और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों के व्यापारियों का कारोबार भी प्रभावित हुआ है।

इंदौर के बहुचर्चित आठ करोड़ रुपये गबन मामले में एक और गिरफ्तारी, बैंक खाते के ट्रांजैक्शन से खुला राज

इंदौर (ए.)। इंदौर में लगभग 8 करोड़ रुपए के शासकीय धन के गबन से जुड़े बहुचर्चित मामले में रावजी बाजार थाना पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि आरोपी के बैंक खाते में शासकीय राशि ट्रांसफर की गई थी। न्यायालय से तीन दिन का पुलिस रिमांड मिलने के बाद अब पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है।

पोल्ट्री व्यवसायी से दिनदहाड़े लूट और मारपीट का आरोप, शिकायत के बाद भी FIR नहीं

टीकमगढ़ (ए.)। टीकमगढ़ जिले के बिजरावन गांव के पास पोल्ट्री व्यवसायी से दिनदहाड़े कथित लूट और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि घटना की सूचना और आवेदन देने के बावजूद दिगौड़ा पुलिस ने अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। वहीं, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा ने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है और संबंधित थाने से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

व्यापार समाचार

10 साल की कानूनी जंग, 76 हजार केस और 5.5 अरब डॉलर का समझौता, जानिए जॉनसन एंड जॉनसन विवाद की कहानी

नई दिल्ली (ए.)। एक सफेद खुशबुदार पाउडर पिछले कई दशकों से दुनिया भर के घरों में शिशुओं की नाजुक त्वचा की देखभाल और सुरक्षा का सबसे भरोसेमंद प्रतीक रहा है। लेकिन इसे बनाने वाली कंपनी एक दिन दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे लंबी अदालती लड़ाइयों में से एक के केंद्र में आ गई । अब इस मामले को निपटाने के लिए उसे एक भारी-भरकम समझौता करना पड़ा है। कंपनी के उत्पादों पर गर्भाशय कैंसर होने के गंभीर आरोप लगे थे। आखिरकार, एक दशक से अधिक समय से चल रहे इस विवाद को खत्म करने के लिए कंपनी ने 5.5 अरब डॉलर के एक बड़े समझौते की घोषणा की है। हम बात कर रहे हैं वैश्विक फार्मा और एफएमसीजी मार्केट की दिग्गज कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन की।

न्यूयॉर्क में सोमवार को घोषित हुए इस भारी-भरकम समझौते ने पूरे वैश्विक कॉरपोरेट जगत का ध्यान खींचा है। आसान बोलचाल की भाषा में इस पूरे मामले के हर पहलू

को सिलसिलेवार ढंग से समझते हैं कि आखिर यह पूरा विवाद क्या था और इस ऐतिहासिक समझौते के मायने क्या हैं।

दशकों पुरानी यह कानूनी लड़ाई किस बात को लेकर थी?

इस पूरे विवाद की जड़ में कंपनी का सबसे लोकप्रिय उत्पाद- बेबी पाउडर और अन्य टैल्क उत्पाद हैं। पिछले एक दशक से कंपनी अमेरिका और दुनिया भर में हजारों मुकदमों का सामना कर रही थी। इन मुकदमों में वादियों (शिकायतकर्ताओं) का आरोप था कि कंपनी के टैलकम पाउडर उत्पादों के इस्तेमाल के कारण महिलाओं को डिम्बग्रंथि (ओवेरियन) का कैंसर हुआ। वादियों का दावा था कि टैलकम पाउडर में कैंसरकारी तत्व मौजूद थे, जिससे उनके स्वास्थ्य को अपूरणीय क्षति हुई। हालांकि, कंपनी शुरू से ही इन दावों को पूरी तरह से खारिज करती रही है।

इस 5.5 अरब डॉलर के समझौते में कौन-कौन से मामले शामिल हैं?

कंपनी द्वारा घोषित इस हालिया समझौते के तहत कानूनी दावों के एक बहुत बड़े हिस्से को सुलझा लिया गया है।

76,000 मुकदमों का निपटारा यह समझौता न्यू जर्सी की संघीय अदालत और विभिन्न राज्य अदालतों में लंबित लगभग 76,000 दावों को कवर करता है।

गोल्ड लोन से बैंकों की कमाई बढ़ी

मुंबई,(ए.)। देश में सोने के बदले दिए जाने वाले ऋण (गोल्ड लोन) की बढ़ती मांग का सीधा लाभ बैंकों को मिल रहा है। हाल के वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, इंडियन ओवरसीज बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 863 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। जिसमें गोल्ड लोन कारोबार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं, वाणिज्यिक बैंकों का कुल गोल्ड लोन व्यवसाय लगभग 105 प्रतिशत बढ़कर 5.14 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की ऊंची कीमतों, आसान ऋण प्रक्रिया और अन्य ऋणों की तुलना में कम जोखिम के कारण गोल्ड लोन की मांग तेजी से बढ़ी है।

रुपया 35 पैसे मजबूत होकर 95.64 पर खुला

- रुपया सोमवार को 54 पैसे की बढ़त के साथ 95.99 पर बंद हुआ था

मुंबई (ए.)। भू-राजनीतिक तनाव कम होने के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से मंगलवार को भी रुपये में तेजी का सिलसिला जारी रहा। रुपया शुरुआती कारोबार में 35 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.64 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से भी भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.75 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में डॉलर के मुकाबले 95.64 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 35 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को 54 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.99 पर बंद हुआ था। इससे पहले शुक्रवार को भी इसमें 20 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.31 पर रहा।

स्विगी के इंस्टामार्ट में बड़ा बदलाव: सीईओ अमितेश झा का इस्तीफा, नंदिता सिन्हा संभालेंगी कमान

नई दिल्ली (ए.)। स्विगी के स्वामित्व वाले क्विक कॉमर्स मंच इंस्टामार्ट में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमितेश कुमार झा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अन्य व्यावसायिक अवसरों की तलाश में यह निर्णय लिया है। कंपनी ने यह जानकारी मंगलवार को एक नियामकीय फाइलिंग में सार्वजनिक की। इस बदलाव के बाद नंदिता सिन्हा को इंस्टामार्ट का नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। नंदिता सिन्हा 3 अगस्त 2026 से अपना पदभार संभालेंगी। उनकी नियुक्ति से इंस्टामार्ट के भविष्य की रणनीतियों और बाजार में उसकी स्थिति पर गहरा असर पड़ने की उम्मीद है।

अमितेश कुमार झा ने पद क्यों छोड़ा?

अमितेश कुमार झा ने अपने इस्तीफे पत्र में स्पष्ट किया है कि वह संगठन के बाहर नए अवसरों की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने स्विगी के प्रबंध निदेशक और ग्रुप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीहरषा मजेटी को अपना इस्तीफा सौंपा। क्विक कॉमर्स उद्योग अपनी तीव्र गति और उच्च प्रतिस्पर्धा के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र में नेतृत्व परिवर्तन एक सामान्य घटना है। इस तरह के पद अक्सर अत्यधिक दबाव और निरंतर नवाचार की मांग करते हैं।

एशियाई बाजारों में भारी गिरावट, कोस्पी 8.7 फीसदी लुढ़का

मुंबई (ए.)। अमेरिकी चिप कंपनियों में हुई भारी बिकवाली के चलते मंगलवार को एशियाई शेयर बाजारों में तेज गिरावट दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया का प्रमुख कोस्पी इंडेक्स 8.70 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि जापान के निक्केई 225 ने भी 4.21 फीसदी का गोता लगाया, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई। कारोबार के दौरान, दक्षिण कोरियाई बेंचमार्क कोस्पी इंडेक्स में 8.70 फीसदी की भारी गिरावट आई, वहीं स्मॉल-कैप कोस्डैक इंडेक्स 3.63 फीसदी कमजोर हुआ। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 4.21 फीसदी नीचे रहा और टॉपिक्स इंडेक्स भी 0.63 फीसदी गिरा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी और एएसएक्स 200 शुरुआती कारोबार में 0.38 फीसदी फिसल गया। शियाई बाजारों में यह दबाव सोमवार को वॉल स्ट्रीट पर अमेरिकी चिप कंपनियों में हुई तेज बिकवाली के बाद आया।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव; सेंसेक्स 76,947 पर पहुंचा, निफ्टी 24,000 के पार

नई दिल्ली (ए.)। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी के चलते मंगलवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। आईटी शेयरों में खरीदारी से भी बाजार को सकारात्मक गति मिली। इस सकारात्मक रुझान से निवेशकों में उत्साह का माहौल बना। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 29 पैसे बढ़कर 95.70 पर पहुंच गया।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 152.7 अंक चढ़कर 76,988.48 पर पहुंच गया। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 44.95 अंक बढ़कर 24,040.90 पर कारोबार करता दिखा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.44

फीसदी गिरकर 87.09 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने बताया कि ईरान के साथ फिर से बातचीत की उम्मीद से आपूर्ति बाधित होने की चिंताएं कम हुई हैं। इससे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को भारतीय बाजार से 1,688.23 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। विनिमय आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

बाजार में तेजी क्यों आई?

बाजार में इस तेजी का मुख्य कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई कमी है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने से भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। ईरान के साथ संभावित बातचीत से तेल आपूर्ति में व्यवधान की आशंका घटी है। इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली। आईटी क्षेत्र की यह मजबूती बाजार के समग्र सकारात्मक प्रदर्शन में सहायक रही।

कौन से शेयर चमके और कौन गिरे?

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस और एचसीएल टेक प्रमुख लाभ में रहे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

रोजगार निजी अनुबंध पर टिका

कोई नाविक किसी खास रूट (जैसे होरमुज) से गुजरने से मना करता है, तो कंपनी उसका अनुबंध रद्द कर सकती है या 'ब्लैकलिस्ट' कर सकती है। इससे उसका भविष्य दांव पर लग सकता है।भारत सरकार ने पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों के हमलों का शिकार बनने के बाद भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए 'सीफेयरर-फर्स्ट आपातकालीन सुरक्षा योजना' लागू की है। शिपिंग कंपनियों और भर्ती एजेंसियों को अगले निर्देश तक होरमुज मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों को तैनात ना करने के निर्देश दिए गए हैं। मगर क्या इससे भारतीय नाविक सचमुच सुरक्षित हो जाएंगे? ये सवाल इसलिए अहम है, क्योंकि कागजी सरकारी आदेश और समुद्र की कड़वी हकीकत में कोई मेल नज़र नहीं आता। इसलिए अंदेशा गहरा है कि इस सरकारी पहल को लागू करना मुश्किल साबित होगा। नाविक शिपिंग कंपनियों (या उनकी नौकरी भर्ती एजेंसियों) के कर्मचारी होते हैं, भारत सरकार के नहीं। उनका रोजगार निजी अनुबंध पर टिका होता है।नाविक किसी विदेशी या भारतीय शिपिंग कंपनी या किसी थर्ड-पार्टी मैनिंग एजेंसी के साथ छह से नौ महीने का कांट्रैक्ट साइन करते हैं। इसके तहत कोई नाविक किसी खास रूट (जैसे होरमुज) से गुजरने से मना करता है, तो कंपनी उसका अनुबंध रद्द कर सकती है या 'ब्लैकलिस्ट' कर सकती है। इससे उसका भविष्य दांव पर लग सकता है। नौवहन बाजार में भी काम पाने भारी होड़ है। यही कारण है कि नाविक अक्सर जोखिम लेकर भी कहीं जाने को तैयार हो जाते हैं। दुनिया में तमाम नाविकों के बीच भारतीयों की संख्या लगभग 17 प्रतिशत है। जबकि अधिकांश जहाज पनामा, लाइबेरिया, या मार्शल आइलैंड्स जैसे देशों के झंडे तले रजिस्टर्ड हैं, भले उनके मालिक किसी देश के हों।ऐसे में भारतीय नाविकों पर उस देश का कानून लागू होता है, जिसके नाम पर जहाज पंजीकृत है। भारत सीधे किसी विदेशी जहाज के रूट को लेकर दखल नहीं दे सकता। तो फिर सरकार इस फैसले को लागू कैसे करवाएगी? अधिक से अधिक वह रिक्रूटमेंट और प्लेसमेंट एजेंसियों एजेंसियों पर दबाव डाल सकती है कि वे नाविकों को जबरन खतरे वाले क्षेत्रों में ना भेजें। नाविकों को 'राइट टू रिफ्यूज' के तहत युद्ध क्षेत्र में जाने से इनकार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। लेकिन वे ऐसा करियर को दांव पर लगाते हुए ही कर पाएंगे। यही इस मामले का पेच है।

पूरी लीला ही पैसे से आयोजित-प्रायोजित

हरिशंकर व्यास

हां, हिंदू राष्ट्र को सोनम वांगचुक या जीडी अग्रवाल जैसे 'कॉकरोचों' से नहीं, बल्कि अडानी, अंबानी, चढ़ावा चोरों और ट्रंप जैसे लोगों से मतलब है। इन्हीं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चिंता है, क्योंकि पूरी लीला ही पैसे से आयोजित-प्रायोजित है। आखिर कलियुग में भगवान तप से नहीं, मार्केटिंग से पैदा होते हैं और आस्था के नाम पर भीड़ को ठगना परमोधर्म है।

पिछले बारह वर्षों में क्या हुआ है? चाहे 'श्वेत (काली की जगह) अर्थव्यवस्था' का समय हो, 'गंगा शववाहिनी' का दौर, 'अमृतकाल' का आख्यान या 'विकसित भारत' के नारे- हर चरण में सबसे बड़ा निवेश मार्केटिंग पर हुआ। मार्केटिंग ने ही वह वातावरण, वह लेन-देन बनाया, जिसमें अडानी-अंबानी नए जगतसेठ बनकर उभरे। दूसरी और डोनाल्ड ट्रंप से लेकर शी जिनफिंग, पुतिन सभी के लिए भारत विशाल बाजार बना। पैसे की भूख, पैसे के जलवे, पैसे की माया का सीधा असर भक्तों पर भी पड़ा। इनके मन में यह विश्वास बैठाया गया कि भारत अभूतपूर्व गति से दौड़ रहा है, दुनिया भारत की ताकत स्वीकार कर रही है, मुक्त व्यापार समझौते हो रहे हैं और विश्व भारत के सामने नतमस्तक है।

सच्चाई है कि जब अडानी दुनिया के बड़े खरबपतियों में शामिल हुए तो भक्तों ने इसे भी हिंदुओं की आन-बान-शान माना। बाद में जब इस चमक की परतें उखड़ीं, तब भी शेयर बाजार के खेल ने करोड़ों मध्यवर्गीय युवाओं को अपनी किस्मत आजमाने के सपने में बांधे रखा। इससे किसका कितना नुकसान हुआ, यह अलग प्रश्न है। लेकिन लाभार्थियों के खातों में सरकारी धन पहुंचाने से लेकर शेयर बाजार में करोड़ों युवाओं की सट्टेबाजी तक, एक ऐसा सम्मोहन रचा गया जिसमें भक्ति पुख्ता होती गई। मंदिरों में चढ़ावा बढ़ता है वही उसी चढ़ावे से हिंदू राष्ट्र की दुकानों में भी चौतरफा रौनक है।

सचमुच कलियुगी हिंदू राष्ट्र की स्थिरता की कई वजहों में एक कारण मंदिर, चढ़ावा, कृपा, पैसा, क्रोनीवाद और मार्केटिंग का वह मायाजाल है, जिसकी गहराई तभी समझ में आएगी जब लुटियंस दिल्ली के नए 'सेवा तीर्थ' की परतों को कोई उधेड़े। लुटियन का नया इकोसिस्टम केवल जवाबदेही-विहीन नहीं है, बल्कि संस्थागत लूट की वह ऐतिहासिक व्यवस्था है कि यदि दिल्ली को लूटने वाले नादिरशाह या मुगल बादशाह भी उसे देखें तो शर्मिंदा हो जाएं। उन्होंने दिल्ली को लूट का मात्र चरागाह माना था, जबकि अब वह लूट का तीर्थ है। लेकिन मजाल जो कोई गंभीर सवाल उठे या दास्तान बाहर आए।

महान गुरु परंपरा के प्रति कृतज्ञता अर्पित करने का अवसर

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वराय।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

संजीव ठाकुर,

भारतीय संस्कृति में गुरु को सृष्टि का निर्माता, पालनकर्ता और अज्ञान का नाश करने वाला माना गया है। गुरु केवल अक्षरज्ञान देने वाला शिक्षक नहीं, बल्कि वह दिव्य शक्ति है जो मनुष्य के व्यक्तित्व को गढ़ती है, उसके भीतर सोई हुई चेतना को जगाती है और जीवन को उद्देश्यपूर्ण दिशा प्रदान करती है। गुरु पूर्णिमा का पर्व इसी महान गुरु-परंपरा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। परंतु यह दिन केवल गुरु-वंदना तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह वह पावन क्षण है, जब प्रत्येक शिष्य को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह अपने गुरु के उपदेशों, संस्कारों और आदर्शों को अपने जीवन और समाज में श्रेष्ठ कर्मों के रूप में मूर्त रूप देगा।गुरु पूर्णिमा का संबंध महर्षि वेदव्यास से है, जिन्हें भारतीय ज्ञान परंपरा का महान शिल्पकार माना जाता है। उन्होंने वेदों का विभाजन किया, महाभारत की रचना की, अठारह पुराणों का संकलन किया और भारतीय चिंतन को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखने का महान कार्य किया। इसलिए उन्हें जगतगुरु की संज्ञा दी जाती है। उनकी स्मृति में मनाया जाने वाला यह पर्व हमें याद दिलाता है कि ज्ञान तभी सार्थक होता है जब वह समाज के कल्याण का माध्यम बने।भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान माता-पिता के समान ही नहीं, अनेक संदर्भों में उनसे भी ऊँचा माना गया है, क्योंकि माता-पिता जन्म देते हैं, जबकि गुरु जीवन का सही अर्थ समझाते हैं। संत कबीरदास ने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए लिखा गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पाय।

बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय।

दोहा केवल श्रद्धा का प्रतीक नहीं, बल्कि यह बताता है कि गुरु ही ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग दिखाता है। यदि जीवन में गुरु का मार्गदर्शन न हो तो ज्ञान अधूरा रह जाता है और प्रतिभा दिशा खो देती है।

आज का समय केवल सूचना का युग नहीं, बल्कि विवेक का भी युग है। इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल माध्यमों ने ज्ञान के असंख्य स्रोत उपलब्ध करा दिए हैं, परंतु सही और गलत का निर्णय करने की क्षमता आज भी गुरु ही विकसित करता है। सूचना मनुष्य को विद्वान बना सकती है, किंतु गुरु उसे विवेकवान बनाता है। इसलिए गुरु का महत्व कभी समाप्त नहीं हो सकता। स्वामी विवेकानंद ने कहा था—

शिक्षा वह है जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन का बल बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके। शिक्षा केवल पाठ्य-पुस्तकों से नहीं आती, बल्कि गुरु के व्यक्तित्व, उनके आचरण और उनके जीवन-दर्शन से प्राप्त होती है। गुरु अपने शिष्य के भीतर छिपी हुई संभावनाओं को पहचानता है और उन्हें समाजोपयोगी दिशा देता है। महात्मा गांधी का विश्वास था कि चरित्रहीन शिक्षा समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यह आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। यदि शिक्षा केवल रोजगार का साधन बन जाए और जीवन-मूल्यों से हट जाए, तो समाज

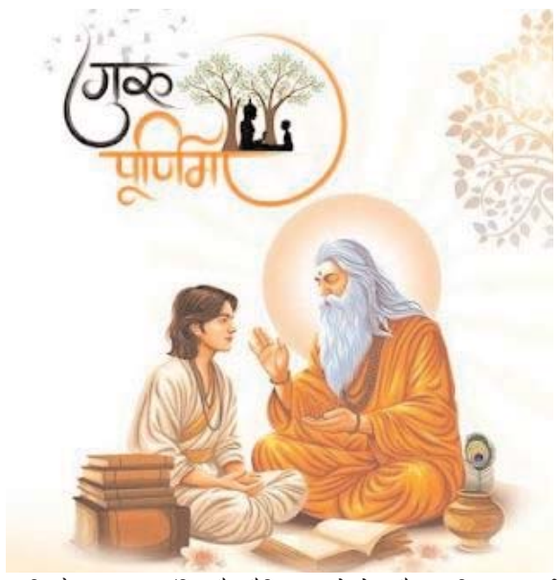

प्रगति के बावजूद शांति और नैतिकता खो देता है। इसलिए गुरु की भूमिका केवल रोजगार दिलाने तक सीमित नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण तक विस्तृत है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था—सच्चा शिक्षक वही है जो हमें स्वयं सोचने की प्रेरणा देता है। गुरु का वास्तविक दायित्व है। वह शिष्य को उत्तर नहीं देता, बल्कि सही प्रश्न पूछना सिखाता है। वह अनुकरण नहीं, बल्कि आत्मबोध का मार्ग दिखाता है।डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का कहना था श्रेष्ठ शिक्षक ज्ञान, जुनून और करुणा तीनों का संगम होता है। डॉ. कलाम स्वयं अपने शिक्षकों का उल्लेख अत्यंत सम्मान के साथ करते थे और स्वीकार करते थे कि उनके व्यक्तित्व की नींव उनके गुरुओं ने ही रखी। भारतीय इतिहास इस बात का साक्षी है कि प्रत्येक महान व्यक्तित्व के पीछे किसी न किसी गुरु का अमूल्य योगदान रहा है। भगवान श्रीराम के जीवन को महर्षि वशिष्ठ और विश्वामित्र ने दिशा दी। भगवान श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि के आश्रम में शिक्षा ग्रहण कर गुरु-दक्षिणा का आदर्श प्रस्तुत किया। छत्रपति शिवाजी महाराज के व्यक्तित्व निर्माण में समर्थ गुरु रामदास और माता जीजाबाई के संस्कार निर्णायक रहे। स्वामी विवेकानंद को विश्व मंच तक पहुँचाने वाले उनके गुरु श्रीरामकृष्ण परमहंस थे। चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य को केवल सम्राट नहीं बनाया, बल्कि भारत के इतिहास की दिशा बदल दी। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि गुरु केवल व्यक्ति नहीं बनाता, वह युग का निर्माण करता है। आज समाज अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ है। नैतिक मूल्यों का क्षरण, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सामाजिक तनाव, पर्यावरण संकट, पारिवारिक विघटन और डिजिटल विचलन जैसी परिस्थितियों में गुरु की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे समय में गुरु का सम्मान केवल मंचों पर माल्यार्पण से नहीं होगा। सच्ची गुरु-दक्षिणा तब होगी जब हम उनके बताए मार्ग पर चलकर ईमानदारी, अनुशासन, सेवा, राष्ट्रभक्ति और मानवीय संवेदनाओं को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएँ।गुरु पूर्णिमा हमें यह भी स्मरण कराती है कि प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में गुरु बन सकता है। माता-पिता अपने बच्चों के प्रथम गुरु हैं। शिक्षक विद्यालय में गुरु हैं। समाज में अनुभवी व्यक्ति अपने अनुभव से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हैं। इसलिए गुरु-परंपरा केवल आश्रमों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जीवित है।आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा को पुनः संस्कारों से जोड़ा जाए। विद्यालयों में ज्ञान के साथ नैतिक शिक्षा, सेवा-भाव, पर्यावरण संरक्षण, संविधान के प्रति सम्मान, सामाजिक समरसता और राष्ट्रनिर्माण की भावना विकसित की जाए। यदि गुरु का ज्ञान समाजहित में प्रयुक्त नहीं होता, तो वह अधूरा रह जाता है।गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश है गुरु के विचारों को जीवन में उतारना। यदि गुरु ने सत्य का मार्ग दिखाया है तो सत्य बोलना हमारी गुरु-दक्षिणा है। यदि उन्होंने सेवा सिखाई है तो समाज की पीड़ा दूर करना हमारी गुरु-दक्षिणा है। यदि उन्होंने राष्ट्रप्रेम सिखाया है तो अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना हमारी गुरु-दक्षिणा है।आज भारत विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब हमारे युवाओं का चरित्र मजबूत होगा। यह कार्य केवल तकनीक से नहीं, बल्कि गुरु के संस्कारों से ही संभव है। इसलिए गुरु पूर्णिमा का यह पर्व प्रत्येक विद्यार्थी, प्रत्येक नागरिक और प्रत्येक परिवार के लिए आत्ममंथन का अवसर है।गुरु पूर्णिमा पर हम केवल अपने गुरुओं का सम्मान ही न करें, बल्कि यह संकल्प भी लें कि उनके द्वारा दिए गए ज्ञान, अनुशासन, परिश्रम, सत्य, करुणा और सेवा के आदर्शों को अपने जीवन में उतारेंगे।

छात्रों और युवाओं को भरोसा बना

एस. सुनील

प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा और परीक्षा की प्रक्रिया में सुधार की जो पहल की है उस पर छात्रों की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया के बाहर सार्वजनिक रूप से भी दिखने लगी है। उन्होंने जो नियम बनाने और विधायी कदम उठाने की पहल की है और युवाओं से सीधी अपील की है उसका असर यह हुआ है कि आंदोलन की नैतिक ताकत बने सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी और इसके साथ ही आंदोलन की तीव्रता काफी कम हो गई। इसकी व्यापकता भी धीरे धीरे कम हो रही है।

पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन की जिन तस्वीरों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि देश का युवा खास कर 'जेन जी' केंद्र की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हो गया है वह देश की प्रतिनिधि तस्वीर नहीं है। इसे ऐसे भी कह सकते हैं कि उन तस्वीरों से देश की वास्तविकता नहीं जाहिर हो रही है। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि पेपर लीक की घटना, जैसा कि प्रधानमंत्री ने स्वंय कहा, 'जघन्य पाप' है। लेकिन आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और इसमें शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिले इसके लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पर भी किसी को संदेह नहीं है। देश का युवा वर्ग और छात्रों का भी प्रधानमंत्री के साथ ऐसा सीधा जुड़ाव या संवाद है कि वे इस मामले में प्रधानमंत्री की गंभीरता को समझ रहे हैं। तभी गुरुवार, 23 जुलाई की रात को प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सीधे युवाओं को 'फ्रेंड्स' कह कर संबोधित किया। अपने मोबाइल से वीडियो बना कर उन्होंने पोस्ट किया और अगले दिन यानी शुक्रवार की रात को बताया कि उस पर कितनी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। गुरुवार रात के प्रधानमंत्री के इंस्टाग्राम वीडियो ने रिकॉर्ड बनाया। करीब 35 करोड़ लोगों ने उसे देखा और पेपर लीक से लेकर परीक्षा में सुधार के अनेक सकारात्मक सुझाव दिए, जिनका जिक्र प्रधानमंत्री ने अपने अगले वीडियो में किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा और परीक्षा की प्रक्रिया में सुधार की जो पहल की है उस पर छात्रों की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया के बाहर सार्वजनिक रूप से भी दिखने लगी है। उन्होंने जो नियम बनाने और विधायी कदम उठाने की पहल की है और युवाओं से सीधी अपील की है उसका असर यह हुआ है कि आंदोलन की नैतिक ताकत बने सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी और इसके साथ ही आंदोलन की तीव्रता काफी कम हो गई। इसकी व्यापकता भी धीरे धीरे कम हो रही है। इसका कारण यह है कि देश के युवाओं को अपने प्रधानमंत्री और उनके संकल्पों पर भरोसा है। उनको विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। इसके रास्ते में जो भी बाधाएं आएंगी उनको दूर किया जाएगा।

बहरहाल, पेपर लीक को लेकर भी प्रधानमंत्री की पहल पर एक साथ कई काम शुरू हो गए हैं। शुक्रवार को कैबिनेट की विशेष बैठक संसद भवन के अंदर हुई, जिसमें द पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रीवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। अब सरकार पेपर लीक और परीक्षा में अक्सर होने वाली दूसरी गड़बड़ियों को रोकने के लिए ज्यादा सख्त कानून बनाने जा रही है। इसे मानसून सत्र के दूसरे हफ्ते के शुरू में ही पेश किया जा सकता है। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि इस पर जल्दी से जल्दी चर्चा करा कर कानून बनाया जाए। इसमें पेपर लीक के दोषियों के लिए 10 साल की सजा और 10 करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। साथ ही यह भी प्रावधान किया गया है कि पेपर लीक की घटना की जांच दो महीने में होगी और तीन महीने के अंदर अदालत में ट्रायल पूरा करके फैसला सुनाया जाएगा। इस संशोधन बिल को मंजूरी देने से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने पेपर लीक से जुड़ी घटनाओं की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का आदेश दे दिया था। इस बिल में इस पूरी प्रक्रिया को वैधानिक स्वरूप देने का प्रावधान भी किया गया है।

इस मामले में सरकार की गंभीरता इस बात से दिखाई देती है कि मेडिकल में दाखिले के लिए नीट यूजी परीक्षा कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए के 47 कर्मचारियों को बरखास्त कर दिया गया है। सरकार एनटीए का भी पुनर्गठन करने वाली है ताकि परीक्षा की प्रक्रिया को किसी भी तरह की लीक और गड़बड़ी से सुरक्षित किया जा सके। चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वंय इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं इसलिए युवाओं को और उनके अभिभावकों को भी भरोसा बना है। उनको लग रहा है कि सरकार परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। ध्यान रहे पहले ही इस बात की घोषणा हो चुकी है कि अगले साल नीट यूजी की परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। इससे भी छात्रों और युवाओं को भरोसा बना है।

दूसरी ओर अगर विपक्षी पार्टियों का रवैया देखें तो वह बहुत निराशाजनक दिखेगा। उनकी तरफ से किसी तरह का रचनात्मक सुझाव सरकार के सामने नहीं प्रस्तुत किया जा रहा है। उनकी ओर से सिर्फ शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है। जिस समय जंतर मंतर पर प्रदर्शन शुरू हुआ उस समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेश में थे। वहां से लौटने के बाद उन्होंने इंतजार किया कि संसद का सत्र शुरू हो और मीडिया का अटेंशन बने तो वे आंदोलन शुरू करें। छात्रों व युवाओं के संसद मार्च से जो माहौल बना उसका लाभ लेने के लिए वे अपनी पार्टी के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शन करने पहुंच गए। असल में उनको यह असुरक्षा बोध घेरे हुए था कि कहीं जंतर मंतर के प्रदर्शन को ज्यादा लोगों का समर्थन न मिल जाए या उसमें शामिल लोग विपक्ष की जगह न ले लें। इसलिए उन्होंने आनन फानन में प्रदर्शन किया और संसद की कार्यवाही पूरी तरह से ठप्प की।

मेष राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आज आपको किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़े बुजुर्गों से प्रेरणा मिलेगी कुछ बड़ा करने का प्लान बनाएंगे। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। छात्रों की शैक्षिक मनोकामनाए पूर्ण होंगी और आपको परीक्षा में अच्छे अंक मिलेंगे, जिससे अपने पसंदीदा कॉलेज में आप एडमिशन ले पाएंगे।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा जो की आने वाले समय में आपके लिए लाभकारी रहेगा। विद्यार्थियों को सफलता आज मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

कर्क राशि: आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। कारोबारियों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। आज आप अपने काम की गुणवत्ता में सुधार लाकर और ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज की गई मेहनत निकट भविष्य में बहुत लाभदायक साबित होगी इसलिए व्यर्थ की गतिविधियों से ध्यान हटाकर अपने कामों के प्रति सतर्क रहें।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज घर की व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ कठोर फैसले लेने पड़ सकते हैं, लेकिन इसका परिणाम सुखद रहेगा। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा।

तुला राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। कहीं से मन मुताबिक धनलाभ होने से मन को राहत मिलेगी।घर पर ही परिवारवालों के साथ मिलकर धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें ।

वृश्चिक राशि: आज आपको शुभ समाचार मिलने वाला है। आज पिता जी आपको पैतृक व्यवसाय की कुछ महत्वपूर्ण जानकारी देंगे और आपको नई जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। विद्यार्थी पूरी मेहनत से अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखेंगे और बेहतर परिणाम हासिल करेंगे।

धनु राशि:आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज के दिन आपको कुछ नई उपलब्धियां हासिल होने वाली हैं। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज दिनभर भागदौड़ की स्थिति रहेगी, लेकिन इसके परिणाम काफी लाभदायक होंगे जिससे आपका उत्साह बना रहेगा ।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज कुछ प्रतिष्ठित लोगों से आपकी मुलाकात होगी जिससे आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी सटीक राय देंगे, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। लेखन कार्यों में आज आपका रुझान बढ़ेगा आपकी लेखनी में सुधार आएगा।

मीन राशि:आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। आज आपको किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घरेलू कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रो के लिए दिन अच्छा है।

स्तूप ने साबित कर दिया – असली शक्ति शस्त्रों में नहीं, संस्कृति में है

[यूनेस्को में सारनाथ: भारत की सभ्यता का वैश्विक हस्ताक्षर]
[स्तूप से सॉफ्ट पावर तक: सारनाथ यूनेस्को में भारत की नई विश्व-भाषा]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

इतिहास की सबसे बड़ी शक्ति यह नहीं कि वह अतीत में दर्ज है, बल्कि यह कि वह हर युग में वर्तमान को दिशा देता है। 25 जुलाई 2026 को यूनेस्को द्वारा सारनाथ को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाना केवल एक पुरातात्विक स्थल का सम्मान नहीं, बल्कि उस भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा का विस्तार है जिसने कभी अपने विचारों से दुनिया को मार्ग दिखाया था। युद्ध, क्षेत्रीय संघर्ष, जलवायु संकट और बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच सारनाथ का यह सम्मान एक वैकल्पिक संदेश है। यह सिद्ध करता है कि किसी सभ्यता की वास्तविक शक्ति उसके शस्त्रों में नहीं, बल्कि उन मूल्यों में होती है जो पीढ़ियों तक मानवता का पथ प्रकाशित करते हैं। भारत ने इस उपलब्धि के साथ अपने अतीत को इतिहास की धरोहर भर नहीं रहने दिया, बल्कि उसे आधुनिक विश्व-राजनीति की प्रभावशाली भाषा बना दिया। इसके साथ भारत के विश्व धरोहर स्थलों की संख्या 45 हो गई है, जो उसकी सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक स्वीकृति का सशक्त प्रमाण है।

सारनाथ वह पावन भूमि है जहाँ बुद्ध ने प्रथम उपदेश देकर करुणा, मध्यम मार्ग और अहिंसा का ऐसा संदेश दिया, जिसने पूरे एशिया की सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा दी। आज इसका महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि आधुनिक भारत की सशक्त सॉफ्ट पावर का प्रतीक बन चुका है। जब अनेक देश सैन्य गठबंधनों, आर्थिक प्रतिबंधों और रणनीतिक दबावों से अपना प्रभाव बढ़ाने में लगे हैं, तब भारत संवाद, सह-अस्तित्व और सांस्कृतिक विरासत को अपनी कूटनीति का आधार बना रहा है। यूनेस्को की यह मान्यता विश्व मंच पर भारत की उस विशिष्ट पहचान को और मजबूत करती है, जो केवल आर्थिक या सामरिक शक्ति से नहीं, बल्कि शांति, ज्ञान और सभ्यताओं को जोड़ने की अपनी ऐतिहासिक क्षमता से नेतृत्व करने का विश्वास रखती है। यही आधुनिक भारतीय कूटनीति की सबसे बड़ी विशेषता है।

झसारनाथ की असली शक्ति उसके अतीत में नहीं, बल्कि भविष्य को दिशा देने की उसकी क्षमता में है। मानसिक तनाव, अकेलेपन और असंतुलित जीवनशैली से जूझती दुनिया में करोड़ों युवा माइंडफुलनेस और मेडिटेशन के माध्यम से शांति खोज रहे हैं। ऐसे समय में सारनाथ केवल स्मारकों का परिसर नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का वैश्विक केंद्र बन सकता है। यहाँ विश्वस्तरीय माइंडफुलनेस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय शांति एवं बौद्ध अध्ययन संस्थान, वर्चुअल रियलिटी आधारित ध्यान अनुभव और डिजिटल सांस्कृतिक संग्रहालय विकसित किए जा सकते हैं।

प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक का यह संगम भारत को केवल पर्यटन का नहीं, बल्कि वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य और मानवीय संतुलन का केंद्र बना सकता है। तब सारनाथ इतिहास की धरोहर भर नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य की आवश्यकता बन जाएगा।इस उपलब्धि का समय भी बेहद अर्थपूर्ण है। जब पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े तनाव युद्ध की आशंकाएँ बढ़ा रहे हैं, मिसाइलें संवाद की जगह ले रही हैं और मानसून की बाढ़ मानव सभ्यता की नाजुकता उजागर कर रही है, तब सारनाथ दुनिया को एक अलग रास्ता दिखाता है। वह याद दिलाता है कि विनाश की दौड़ कभी स्थायी शांति नहीं दे सकती। बुद्ध का मध्यम मार्ग आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना ढाई हजार वर्ष पहले था। भारत इस धरोहर के माध्यम से केवल संदेश नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक कूटनीतिक दृष्टि प्रस्तुत कर रहा है—जहाँ संघर्ष की जगह संतुलन, टकराव की जगह संवाद और प्रभुत्व की जगह साझेदारी को महत्व मिलता है। यही सभ्यतागत कूटनीति भारत को पारंपरिक महाशक्तियों से अलग और विशिष्ट पहचान देती है। सारनाथ का महत्व केवल वैचारिक नहीं, आर्थिक दृष्टि से भी दूरगामी है। विश्व धरोहर का दर्जा आध्यात्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था और वेलनेस आधारित विकास के नए द्वार खोलेगा। इससे स्थानीय कारीगरों, पर्यटन मार्गदर्शकों, होटल व्यवसाय, परिवहन सेवाओं और युवा उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। यह केवल रोजगार नहीं बढ़ाएगा, बल्कि स्थानीय परंपराओं और शिल्प को भी नया जीवन देगा। सबसे महत्वपूर्ण यह कि विकास प्रकृति और संस्कृति के संतुलन के साथ आगे बढ़ेगा। सारनाथ बताता है कि सतत विकास केवल आधारभूत ढाँचे का विस्तार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत और मानवीय मूल्यों के संरक्षण के साथ आर्थिक प्रगति का संतुलित मॉडल है। यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य ऐतिहासिक स्थलों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है।सारनाथ का संदेश किसी एक राष्ट्र या धर्म तक सीमित नहीं है। जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नैतिक चुनौतियाँ, सामाजिक ध्रुवीकरण और वैश्विक अविश्वास के दौर में बुद्ध का अनित्य, संतुलन और करुणा का दर्शन पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठता है। यूनेस्को की मान्यता इस सत्य को वैश्विक स्वीकृति देती है कि प्राचीन सभ्यताएँ समय के साथ पुरानी नहीं पड़तीं, बल्कि नए युग को नए समाधान देती हैं। सारनाथ अब केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि मानवता की साझा विरासत है। इसलिए उसका संरक्षण केवल स्मारकों की सुरक्षा नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिक मूल्यों के संरक्षण का भी दायित्व है।

पीएम मोदी का वीडियो फेसबुक से हटने पर मेटा ने मांगी माफी, कहा- गलती से हुई चूक

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो को फेसबुक से कुछ समय के लिए हटाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि, मेटा ने इस घटना पर माफी मांग ली है और कंपनी के प्रवक्ता ने वीडियो हटने की वजह तकनीकी गड़बड़ी को बताया है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से देख रही है और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा और इंस्टाग्राम के ग्लोबल हेड को समन किया है। सरकार इस बात की जांच करना चाहती है कि आखिर किस वजह से प्रधानमंत्री के आधिकारिक वीडियो तक लोगों की पहुंच अचानक रोक दी गई। सरकार का मानना है कि इस तरह की घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा।

यह मामला 28 जुलाई की तड़के सामने आया, जब मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक पर भारतीय यूजर्स कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो नहीं देख पाए। वीडियो खोलने की कोशिश करने पर यूजर्स को एक स्वचालित संदेश दिखाई दिया, जिसमें लिखा था कि

कानूनी अनुरोध के कारण भारत में इस वीडियो की पहुंच सीमित कर दी गई है। इससे सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

हालांकि, बाद में मेटा ने इस घटना पर खेद जताते हुए कहा कि यह किसी कानूनी कार्रवाई का परिणाम नहीं था, बल्कि एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण ऐसा हुआ। कंपनी ने माफी मांगते हुए स्थिति को जल्द सामान्य कर दिया। गौरतलब है कि यह वीडियो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेल्फी फॉर्मेट में रिकॉर्ड किया गया संदेश था, जिसमें उन्होंने पेपर लीक विवाद और इस मुद्दे पर होने वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की आगामी कार्रवाई को लेकर खासतौर पर देश के जेन-जी युवाओं को संबोधित किया था। बता दें कि यही वीडियो इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 300 मिलियन से अधिक बार देखा गया, जबकि फेसबुक पर कुछ समय के लिए इसकी पहुंच सीमित हो गई थी। अब इस पूरे घटनाक्रम को लेकर केंद्र सरकार की नजर मेटा की कार्यप्रणाली पर है, और माना जा रहा है कि कंपनी के अधिकारियों से इस संबंध में विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के चार साल पूरे होने के मौके पर 'ई-उपहार' के तीसरे संस्करण की शुरुआत की, जिसमें सार्वजनिक नीलामी के लिए राष्ट्रपति को मिले 300 खास उपहार शामिल हैं।

फोन के OS की वजह से एयरपोर्ट पर फंसा शख्स और लग गई हथकड़ी

अटलांटा (आरएनएस)। अगर आप भी अपने स्मार्टफोन में डेटा की प्राइवेसी और अत्यधिक सुरक्षा के लिए सामान्य एंड्रॉयड की जगह कोई कस्टम ऑपरेटिंग सिस्टम (OS) इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके होश उड़ा देगी। अमेरिका के अटलांटा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां फोन की जांच के दौरान पासकोड डालते ही मोबाइल का सारा डेटा अपने आप डिलीट हो गया। इस घटना के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने यात्री को 'सबूत मिटाने' के गंभीर आरोप में तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। इस सनसनीखेज गिरफ्तारी के बाद से दुनिया भर में 'ग्रेफीन ओएस' (GrapheneOS) नाम के एंड्रॉयड आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम पर सवाल उठने लगे हैं और डिजिटल प्राइवेसी को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है।'द गार्डियन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैमुअल ट्यूनिक नाम का एक व्यक्ति 24 जनवरी को डोमिनिकन रिपब्लिक से यात्रा करके हार्ट्सफील्ड जैक्सन अटलांटा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा था। यहां जांच के दौरान सुरक्षा अधिकारियों ने उसे रोक लिया और उससे फोन अनलॉक करने को कहा। अधिकारियों ने सख्त चेतावनी दी कि अगर उसने फोन का लॉक नहीं खोला, तो डिवाइस को जब्त कर लिया जाएगा।

देर रात को सरकार और सीजेपी के बीच बनी सहमति, बिहार-असम के बाद अब इस राज्य में भी कार्रवाई पर रोक

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। नीट-यूजी गड़बड़ियों और छात्र आंदोलन को लेकर सख्त तेवर अपना रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अल्टीमेटम के बाद केंद्र सरकार पूरी तरह हरकत में आ गई है। देर रात सरकार के प्रतिनिधियों और सीजेपी नेताओं के बीच हुई एक बेहद अहम और लंबी बैठक में प्रदर्शनकारियों को बड़ी राहत देने पर ऐतिहासिक सहमति बनी है। पार्टी ने दावा किया है कि इस उच्चस्तरीय बैठक के बाद सरकार ने साफ भरोसा दिया है कि किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार ने बिहार और असम के साथ-साथ अब अन्य सभी भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में भी दर्ज मामलों को तुरंत वापस लेने और हिरासत में लिए गए युवाओं को रिहा करने के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी करने की पक्की गारंटी दी है।

अल्टीमेटम के बाद आधी रात को 3 घंटे चली मैराथन बैठक

गौरतलब है कि दिन में सीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए फिर से देशव्यापी आंदोलन छेड़ने की सीधी चेतावनी दी थी। इस चेतावनी के कुछ ही घंटों बाद सरकार के प्रतिनिधि रात में ही सीजेपी नेताओं से मिलने पहुंचे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने बताया कि यह महत्वपूर्ण बैठक करीब दो से तीन घंटे तक चली, जिसमें छात्रों और युवाओं की कानूनी सुरक्षा पर गहन मंथन हुआ। दास ने बताया कि सरकारी प्रतिनिधियों ने बैठक के दौरान ही बिहार और असम गृह विभाग की आधिकारिक अधिसूचनाओं की प्रतियां साझा कीं, जिनमें साफ लिखा है कि प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जा रही हैं, भविष्य में उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी और गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को तुरंत रिहा किया जाएगा।

क्रेडिट कार्ड का बिल भरने के लिए वीकेंड पर रैपिडो चलाने लगा सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सामने आई गिग वर्कर्स की असली मुश्किलें

बेंगलुरु,(आरएनएस)। आईटी सिटी बेंगलुरु में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपना भारी-भरकम क्रेडिट कार्ड बिल भरने और अतिरिक्त कमाई करने के लिए वीकेंड पर रैपिडो बाइक चलाना शुरू किया। शुरुआत में सब कुछ बहुत अच्छा रहा, लेकिन एक दिन एक राइड के दौरान हुए कड़वे अनुभव और मारपीट ने उसकी आंखें खोल दीं। रेडिट पर अपनी यह आपबीती साझा करते हुए इंजीनियर ने बताया कि कैसे इस एक घटना ने गिग वर्कर्स (ऐप आधारित कैब और बाइक ड्राइवर) के प्रति उसका नजरिया पूरी तरह से बदल दिया। इस वायरल पोस्ट को पढ़कर लोग अब राइड-हेलिंग ड्राइवर्स की रोजाना की परेशानियों और जोखिमों पर गंभीरता से चर्चा कर रहे हैं।

क्रेडिट कार्ड का बिल चुकाने के लिए शुरू की पार्ट-टाइम ड्राइविंग

रेडिट पर किए गए अपने पोस्ट में सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने बताया कि किराए के कमरे का खर्च उठाने और घर की बुनियादी जरूरतें पूरी करने के दौरान उस पर क्रेडिट कार्ड का एक भारी बिल बकाया हो गया था। किसी से पैसे उधार मांगने के बजाय उसने अपने खाली समय का सही इस्तेमाल करने की सोची। चूंकि उसे बाइक चलाने का शौक था और वीकेंड पर उसके पास काफी समय होता था, इसलिए उसने रैपिडो और उबर कैप्टन के तौर पर अपना रजिस्ट्रेशन करवा लिया और वीकेंड पर कुछ घंटे

राइड्स लेनी शुरू कर दीं।

शुरुआती हफ्तों के बाद एक राइड ने बदल दिया पूरा अनुभव

इंजीनियर ने बताया कि शुरुआती कुछ हफ्तों में उसका यह प्रयोग काफी अच्छा रहा और उसने शानदार कमाई भी की। करीब 20 राइड्स पूरी करने के दौरान ज्यादातर यात्री बेहद अच्छे और सहयोगी मिले, जिसे देखकर उसे हैरानी हुई कि ज्यादा लोग वीकेंड पर इस तरह अतिरिक्त कमाई क्यों नहीं करते। लेकिन जल्द ही एक वीकेंड पर उसकी यह खुशफहमी टूट गई, जब वह एक यात्री को पिक करने पहुंचा। वहां यात्री के एक साथी ने बिना किसी ठोस वजह के उससे राइड कैंसिल करने को कहा।

जुर्माने की बात पर भड़का शख्स, हेलमेट पर किया हमला

जब इंजीनियर ने नियम समझाते हुए बताया कि अपनी तरफ से राइड कैंसिल करने पर कैप्टन (ड्राइवर) पर जुर्माना लगता है और यह कैंसिल ग्राहक को ही अपने ऐप से करना होगा, तो उस शख्स ने बहस शुरू कर दी। विवाद इतना बढ़ गया कि उस व्यक्ति ने गुस्से में आकर इंजीनियर के हेलमेट पर इतनी जोर से हमला किया कि उसका शीशा ही टूट गया। मामले को और तूल देने के बजाय इंजीनियर समझदारी दिखाते हुए वहां से चुपचाप चला गया, लेकिन इस घटना ने उसे अंदर तक झकझोर कर रख दिया।

'मेरे लिए यह पार्ट-टाइम है, लेकिन जिनका घर इससे चलता है उनका क्या?'

इस घटना का जिक्र करते हुए इंजीनियर ने लिखा कि उसने अपनी मर्जी से यह काम चुना था और खराब अनुभव होने पर वह अगले हफ्ते से राइड्स लेना बंद कर सकता है, क्योंकि उसके पास अपनी आईटी जॉब का मुख्य सहारा है। लेकिन उसने उन हजारों गिग वर्कर्स का दर्द महसूस किया, जिनका पूरा घर और आजीविका ही केवल इसी काम पर निर्भर है। उसने अपनी पोस्ट में लिखा कि इन ड्राइवर्स को रोजाना खराब व्यवहार, नशे में धुत यात्रियों, बेवजह राइड कैंसिल होने, गाड़ी खराब होने और सुरक्षा जैसे कई गंभीर खतरों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद कंपनियां विवाद की स्थिति में ग्राहकों की तुलना में अपने ड्राइवर्स की बहुत कम मदद करती हैं, जिससे उन्हें रोजाना मानसिक और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

दिल्ली में सराय काले खां लूप पर जाम से मुक्ति दिलाने को एनएचएआई ने शुरू किया काम

नई दिल्ली, (ए)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने दिल्ली-एनसीआर में यातायात को सुगम बनाने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से एनएच-148एनए के डीएनडी-सोहना खंड पर स्थित सराय काले खां लूप को भीड़भाड़ मुक्त करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया है।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार सराय काले खां दिल्ली के सबसे व्यस्त परिवहन केंद्रों में से एक है। यह लूप आश्रम, नोएडा और सराय काले खां से आने वाले ट्रैफिक के लिए एक प्रमुख मिलन बिंदु है। डीएनडी-सोहना राष्ट्रीय राजमार्ग कॉरिडोर के चालू होने के बाद यहां वाहनों का दबाव और बढ़ने की संभावना है, जिसे देखते हुए एनएचएआई प्राथमिकता के आधार पर इसका दीर्घकालिक इंजीनियरिंग समाधान तलाशेगा। डीपीआर में जंक्शन की क्षमता बढ़ाने, सुरक्षा उपाय पुख्ता करने और यात्रा के समय में कटौती करने के लिए अवसंरचनात्मक बदलावों का मूल्यांकन किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि डीएनडी-सोहना कॉरिडोर शुरू होने पर सराय काले खां इंटरचेंज पर यातायात बिना किसी बाधा के निकल सके। इसके अलावा, बढ़ते यातायात प्रबंधन और इंजीनियरिंग समाधानों का गहराई से विश्लेषण किया जाएगा।एनएचएआई के मुताबिक इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहरी कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना, सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए यात्रा अनुभव को सुखद बनाना और भारी ट्रैफिक का स्थायी समाधान प्रदान करना है।

जनसांख्यिकीय लाभांश कहीं आपदा न बन जाए : अखिलेश यादव

नई दिल्ली,(ए)। समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव ने मंगलवार को लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ी समस्या पर कानून को कठोर बनाए जाने से जुड़े विधेयक पर हुई चर्चा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि सरकार को देश के युवाओं की बात सुननी चाहिए। सरकार स्वयं नौजवानों को जनसांख्यिकीय लाभांश बताती है, कहीं ऐसा न हो कि युवा वर्ग आपदा बन जाए।लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में परीक्षा पत्र लीक होने, राममंदिर चढ़ावा चोरी और प्रदेश में प्राइमरी स्कूलों के बंद होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 20 से अधिक पेपर लीक हुए हैं।कानून के विषय में अखिलेश ने कहा कि सरकार खुद के बनाये कानून में संशोधन लेकर आई है। यह लोगों की आंख में धूल झोंकने जैसा है। कानून से पेपर लीक रुके होते तो रुके क्यों नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने परीक्षा आयोजित करने वाली एनटीए को आउटसोर्स कर दिया है।चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने सपा नेता अखिलेश यादव से पूछा कि छात्र आंदोलन पर कानून बनाने वाले अच्छे हैं या छात्रों के आंदोलन पर इमरजेंसी लगाने वाले। इस पर अखिलेश यादव ने कटाक्ष किया और कहा कि इमरजेंसी के बाद सत्ता परिवर्तन हुआ था।

परभणी-मुदखेड़ रेलखंड पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम होगा अपग्रेड, वंदे भारत संचालन को मिलेगा बल

नई दिल्ली,,(आरएनएस) भारतीय रेलवे ने नेटवर्क क्षमता बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ मंडल के परभणी-मुदखेड़ दोहरी लाइन रेलखंड पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रणाली के उन्नयन को मंजूरी दी है। 163 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत विद्युत आपूर्ति से जुड़े आवश्यक कार्य भी किए जाएंगे।रेल मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि परियोजना के तहत 164 ट्रैक किलोमीटर लंबे रेलखंड पर मौजूदा 1×25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रणाली को अत्याधुनिक 2×25 केवी प्रणाली में परिवर्तित किया जाएगा। इसके साथ ही बढ़े हुए विद्युत भार को संभालने के लिए बिजली आपूर्ति अवसंरचना को भी सुदृढ़ किया जाएगा।परभणी-मुदखेड़ रेलखंड रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हाईली यूटिलाइज्ड नेटवर्क (एचयूएन) रूट-9 का हिस्सा है, जो अजमेर-इंदौर-खंडवा-अकोला-पूर्णा-मुदखेड़-सिकंदराबाद-महबूबनगर-धोने को जोड़ता है।

सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष और दीपक बालियान लौटे घर

नई दिल्ली, (आरएनएस) । सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता आशुतोष रांका और दीपक बालियान मंगलवार को जयपुर स्थित अपने घर लौट गए।यह जानकारी खुद रांका ने एक्स पर साझा की। उन्होंने कहा, पिछले दो महीनों से दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन करने के बाद आज मेरे साथी दीपक बालियान और मैं जयपुर स्थित अपने घर लौट रहे हैं। हम आज शाम 5 बजे राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रों से मिलेंगे।रांका ने कहा कि जब तक हम देश की शिक्षा व्यवस्था को ठीक नहीं कर लेते, तब तक सीजेपी चुप नहीं बैठेगी।उल्लेखनीय है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर करीब 37 दिनों तक सीजेपी ने छात्र आंदोलन चलाया।इस दौरान केंद्र सरकार से बातचीत करने वाले सीजेपी के प्रतिनिधियों में प्रवक्ता सौरव दास के साथ आशुतोष रांका भी थे।

ऑपरेशन नवजीवन-II में झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता, 16 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

रांची, (आरएनएस) । झारखंड पुलिस को माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन नवजीवन-I के तहत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के 16 सक्रिय नक्सलियों ने मंगलवार को झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के विभिन्न स्तरों के कमांडर और दस्ता सदस्य शामिल हैं। उन्होंने पुलिस को 11 आधुनिक हथियार, 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस भी सौंपे। पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बताया कि झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे अभियानों से माओवादी संगठन पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। साथ ही राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौट रहे हैं।डीजीपी के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में 11 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं।

टिकट कैंसिल करने पर कितनी होती है रेलवे की कमाई? रेल मंत्री ने संसद में खोला बड़ा राज

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय रेलवे टिकट कैंसिल होने और बिना रद्द कराए गए वेटिंग टिकटों के जब्त किराए से हर साल भारी कमाई करता है, लेकिन इसका कोई अलग से जोन-वार रिकॉर्ड नहीं रखा जाता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए यह अहम जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने सामान्य ट्रेनों के मुकाबले वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनों के लिए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड के बिल्कुल अलग नियमों की भी विस्तृत जानकारी दी।

संसद में सांसद के सवाल पर रेल मंत्री का खुलासा

कांग्रेस सांसद चंद्रकांत हंडोरे ने राज्यसभा में पिछले तीन सालों के दौरान टिकट कैंसिलेशन शुल्क और वेटिंग टिकटों से रेलवे को जोन-वार हुई आय का ब्योरा मांगा था। उन्होंने कैंसिलेशन शुल्क के जरिए रेलवे द्वारा भारी राशि जुटाने पर चिंता भी जताई थी। इस पर स्थिति स्पष्ट करते हुए रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे इस आय का जोन के हिसाब से अलग ब्योरा मेंटेन नहीं करता है। उन्होंने सदन को बताया कि सामान्य ट्रेनों और नई प्रीमियम ट्रेनों के रिफंड नियमों में बड़ा अंतर है, जिसे यात्रियों के लिए जानना बेहद जरूरी है।

सामान्य ट्रेनों में टिकट रद्द करने पर कटता है इतना चार्ज

सामान्य ट्रेनों के नियमों के मुताबिक, अगर कोई कंफर्म टिकट ट्रेन रवाना होने से 48 घंटे पहले कैंसिल कराया जाता है, तो क्लास के हिसाब से तय राशि काटी जाती है। इसमें फर्स्ट एसी के लिए 240 रुपये, सेकेंड एसी के लिए 200 रुपये, थर्ड एसी के लिए 180 रुपये, स्लीपर के लिए 120 रुपये और रिजर्व्ड सेकेंड क्लास के लिए 60 रुपये का शुल्क लागू होता है। वहीं, ट्रेन छूटने से 48 घंटे से लेकर 12 घंटे पहले तक टिकट रद्द करने पर किराए का 25 प्रतिशत और 12 घंटे से 4 घंटे पहले तक कैंसिल कराने पर 50 प्रतिशत हिस्सा काट लिया जाता है। ट्रेन रवाना होने के 4 घंटे से कम समय पहले कंफर्म टिकट रद्द कराने पर कोई रिफंड नहीं मिलता है, जबकि वेटिंग या आरएसी टिकटों को 30 मिनट पहले तक कैंसिल कराने पर 60 रुपये प्रति यात्री क्लर्केज फीस काटी जाती है।

वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत एक्सप्रेस के लिए तीन नए स्लैब

रेल मंत्री ने बताया कि वंदे भारत स्लीपर और नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के कंफर्म टिकट कैंसिलेशन के लिए तीन अलग स्लैब बनाए गए हैं। इन ट्रेनों में रवाना होने से कम से कम 72 घंटे पहले टिकट कैंसिल कराने पर किराए का 25 प्रतिशत हिस्सा कटता है। वहीं, 72 घंटे से लेकर 8 घंटे पहले तक टिकट रद्द करने पर 50 प्रतिशत किराया जब्त हो जाता है, जबकि 8 घंटे से कम समय में कैंसिलेशन पर कोई रिफंड नहीं दिया जाता।

कालाबाजारी रोकने के लिए बनाए गए सख्त नियम

प्रीमियम ट्रेनों के लिए अलग और सख्त नियम बनाने के पीछे का तर्क देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कदम असामाजिक तत्वों द्वारा फर्जी या सट्टेबाजी वाली बुकिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि इस नई व्यवस्था से अमृत भारत एक्सप्रेस के स्लीपर क्लास के कंफर्म टिकटों के लिए कुछ दूरी पर न्यूनतम कैंसिलेशन चार्ज सामान्य ट्रेनों के मुकाबले कम हो गया है। हालांकि, इन प्रीमियम ट्रेनों में भी वेटिंग या आरएसी टिकटों के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

संसद के बाहर भाजपा सांसदों का प्रदर्शन, पंजाब के शिक्षामंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पंजाब में कथित पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सांसदों ने मंगलवार को संसद परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। सांसदों ने पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग की। भाजपा सांसदों का आरोप है कि पंजाब में परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। उनका कहना है कि इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

शेख हसीना समेत 40 लोगों पर विशेष अदालत में नए आरोप दर्ज, गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका,(ए.)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना और 40 लोगों के खिलाफ देश की एक विशेष अदालत में नए आरोप दर्ज किए गए हैं। ये मामला मई 2013 का है, जब ढाका में हिफाजत-ए-इस्लाम नाम के एक संगठन ने रैली निकाली थी। उस समय पुलिस की कार्रवाई में कई लोगों की मौत हो गई थी। शेख हसीना पर इस पुलिस कार्रवाई और मौतों को लेकर मानवता के खिलाफ अपराध का मामला दर्ज किया गया है। मुख्य अभियोजक अमीनुल इस्लाम ने पत्रकारों को बताया कि ट्रिब्यूनल ने मोतीझील के शपला चत्तर में हिफाजत-ए-इस्लाम की विरोध रैली के दौरान हुई मौतों के मामले में शेख हसीना पर लगाए गए आरोपों पर संज्ञान ले लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने भगोड़े आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इन भगोड़ों में तत्कालीन थल सेना प्रमुख, कई राजनेता और सुरक्षा अधिकारी शामिल हैं। अभियोजन पक्ष के मुताबिक पूर्व मंत्रियों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पत्रकारों समेत नौ हाई-प्रोफाइल आरोपी पहले से ही जेल में बंद हैं। बता दें 5 मई 2013 को कट्टरपंथी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम ने अपनी 13 सूत्री मांगों को लेकर राजधानी ढाका में एक विशाल रैली का आयोजन किया था. इनकी मुख्य मांग ईशनिंदा कानून बनाने और इस्लाम के अपमान पर सख्त सजा देने की थी. रैली की अनुमति खत्म होने के बाद भी प्रदर्शनकारी राजधानी छोड़ने को तैयार नहीं हुए और उन्होंने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया।

उपद्रव बढ़ता देख कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने रातभर में कार्रवाई करके प्रदर्शनकारियों को शहर से बाहर खदेड़ दिया था। मुख्य अभियोजक के मुताबिक जांच में पाया गया कि 5 मई की रात ढाका और चार अन्य जिलों में हुई पुलिस कार्रवाई में 58 लोग मारे गए थे। मानवाधिकार संगठन अधिकार ने इसे एक नरसंहार करार दिया था। उस समय शेख हसीना की अवामी लीग सरकार ने दावा किया था कि झड़पों और भगदड़ में सिर्फ 11 लोगों की जान गई थी, जिनमें पांच सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष : अब तक करीब 500 नागरिकों की मौत, ह की रिपोर्ट में क्या-क्या खुलासे हुए?

एथेंस(ए.)। संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर जारी संघर्ष में अक्टूबर से जून के अंत तक अफगानिस्तान में करीब 500 नागरिकों की मौत हुई है और 1,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

रिपोर्ट में क्या कहा गया?

मानवाधिकार की स्थिति पर जारी अपनी रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन अफगानिस्तान (यूएनएएमए) ने बताया कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष में 499 नागरिक मारे गए और 1,216 लोग घायल हुए हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति की कोशिशों के बावजूद यह संघर्ष जारी है।

इसमें एक घटना का जिक्र करते हुए कहा गया कि हवाई हमले के मलबे से लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे नागरिकों पर दूसरा हमला किया गया।

रिपोर्ट में मानवाधिकार से जुड़े अन्य मुद्दों का भी जिक्र किया गया है। इनमें पश्चिमी अफगानिस्तान में महिलाओं के कपड़ों पर लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ हुए प्रदर्शनों पर हुई सख्त कार्रवाई और ऐसे आदेश शामिल हैं, जो वास्तव में बाल विवाह को कानूनी मान्यता देते हैं।

अमेरिका पर बरसे ईरान के उप-संसद अध्यक्ष, बोले- कभी समझौता नहीं करेंगे

होर्मुज जलडमरूमध्य को बताया देश की सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत

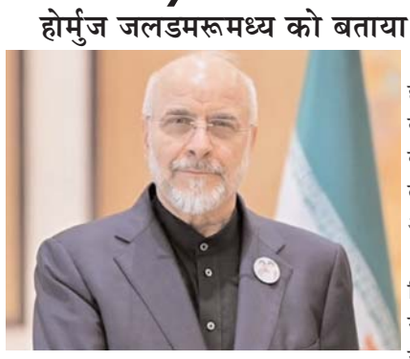

तेहरान,(ए.)। ईरान के उप-संसद अध्यक्ष हमीदरेजा हाजी बाबाई ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह के समझौते की संभावना से इनकार करते हुए कहा है कि तेहरान वॉशिंगटन पर कभी भरोसा नहीं कर सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका बातचीत और युद्ध, दोनों का इस्तेमाल अपने हितों को साधने के लिए करता है।

संसद में अपने संबोधन के दौरान हाजी बाबाई ने कहा कि ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ईरान की सबसे बड़ी रणनीतिक शक्ति है और इसकी हर कीमत पर रक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि होर्मुज केवल समुद्री मार्ग नहीं बल्कि देश की संप्रभुता और सामरिक क्षमता का प्रतीक है। ऐसे में बाहरी दबाव के बावजूद ईरान अपने राष्ट्रीय हितों से पीछे नहीं हटेगा। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बना हुआ है और अमेरिका तथा ईरान के बीच संबंधों में तल्खी कायम है।

हमलों के बीच ईरान ने सऊदी अरब और ओमान से की बातचीत

तेहरान,(ए.)। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने क्षेत्रीय कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से अलग-अलग फोन पर बातचीत कर मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की।

ईरान का कहना है कि हाल के अमेरिकी हमलों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता प्रभावित हुई है। इसी कारण सभी पड़ोसी देशों को मिलकर हालात सामान्य बनाने के लिए प्रयास करने चाहिए। ईरान की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत के दौरान तीनों देशों ने क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने, संवाद जारी रखने और कूटनीतिक प्रयासों को मजबूत करने पर सहमति जताई। साथ ही इस बात पर भी जोर दिया गया कि किसी भी नए सैन्य टकराव से बचते हुए क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल की जाए।

जापान में आया 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

टोक्यो,(ए.)। जापान के दक्षिणी द्वीप क्यूशू के कुमामोटो में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। भूकंप के बाद जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी चेतावनी जारी की है। भूकंप का केंद्र कुमामोटो तट के पास समुद्र में 10 किलोमीटर की गहराई में था। तेज झटकों के बाद तटीय इलाकों में लोगों को सतर्क कर दिया गया। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। प्रशासन हालात पर नजर रखे हुए है और लोगों से आधिकारिक निर्देशों का पालन करने को कहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुमामोटो प्रीफेक्चर में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 48,300 से ज्यादा घरों की बिजली गुल हो गई। बिजली कंपनी की टीमें आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि गिरे या टूटे बिजली के तारों को न छुएं। साथ ही कहीं भी बिजली के उपकरणों या लाइनों में नुकसान दिखने पर तुरंत सूचना दें।

ट्रंप बढ़ा रहे पाकिस्तान से करीबी! पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर से क्यों मिले दो अमेरिकी सांसद?

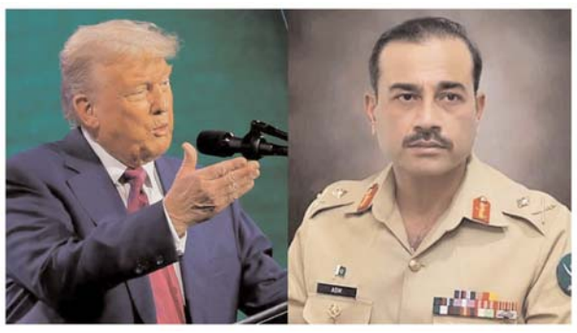

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के रावलपिंडी में दो अमेरिकी सांसदों ने सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। यह मुलाकात इस्लामाबाद और वाशिंगटन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों के तहत हुई। पाकिस्तान की सैन्य मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि यह बैठक सोमवार को रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर में हुई।

बैठक में किस मुद्दे पर हुई चर्चा?

इसमें कहा गया है कि मोंटाना के कांग्रेसी रयान जिन्के और वाशिंगटन के माइकल बॉमगार्टनर। दोनों अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्यों ने फील्ड मार्शल मुनीर के साथ अपनी बैठक के दौरान आपसी हित के मामलों, क्षेत्रीय सुरक्षा, द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

दो रिपब्लिकन सांसदों का यह दौरा अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में आई नई गति के बीच हो रहा है, जिसमें पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने के बाद दोनों पक्षों ने उच्च स्तरीय राजनीतिक, रक्षा और आर्थिक संपर्कों को बढ़ाया है।

दोनों देशों के साथ है लगातार संपर्क

इस साल की शुरुआत में दोनों देशों के बीच शत्रुता शुरू होने के बाद से पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की है। इस महीने हुए नए हमलों के बाद टूटे युद्धविराम को फिर से लागू करने के प्रयासों के बीच इस्लामाबाद वाशिंगटन और तेहरान दोनों के साथ लगातार संपर्क में है।

आईएसपीआर के अनुसार, मुनीर ने अमेरिका के दौरे पर आए सांसदों के सामने पाकिस्तान की आर्थिक क्षमता को उजागर किया। इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय स्थिरता आर्थिक विकास, व्यापार विस्तार और क्षेत्रीय संपर्क से निकटता से जुड़ी हुई है।

आईएसपीआर ने क्या बताया?

उन्होंने पाकिस्तान में चल रहे संरचनात्मक सुधारों पर भी जोर दिया, जिनका उद्देश्य व्यापार के अनुकूल वातावरण बनाना और विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। आईएसपीआर ने कहा, प्रतिनिधिमंडल की पेशेवर पृष्ठभूमि और अंतर्दृष्टि को ध्यान में रखते हुए। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय आर्थिक जुड़ाव, निजी क्षेत्र की साझेदारी और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को बढ़ाने के संभावित अवसरों पर चर्चा की।

पंजाब के राज्यपाल सरदार सलीम हैदर खान से मुलाकात की

इसमें आगे कहा गया है कि अमेरिकी सांसदों ने दोनों देशों के बीच गहरे आर्थिक, वाणिज्यिक और संस्थागत संबंधों को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। दोनों कांग्रेसी नेता पिछले सप्ताह पाकिस्तान पहुंचे और लाहौर का दौरा भी किया, जहां उन्होंने पंजाब के राज्यपाल सरदार सलीम हैदर खान से मुलाकात की।

सरकारी पाकिस्तानी टेलीविजन से बात करते हुए बॉमगार्टनर ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होने वाले हैं। वहीं, जिंके ने कहा, संबंध पहले कभी इतने अच्छे नहीं रहे।

फीचर

मैं सिंगल रहकर खुश हूं, मुझे अपनी जिंदगी में एक और तनाव नहीं चाहिए : अभिनेत्री जरीन

नई दिल्ली,(ए.)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म वीर से सिनेमा जगत में कदम रखने वालीं जरीन खान को भला कौन नहीं जानता। हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू

में जरीन ने जिंदगी भर शादी न करने को लेकर खुलासा किया है और बताया है कि वह ऐसा क्यों करना चाहती हैं। उन्होंने खुलासा किया है कि वह मौजूदा समय में सिंगिल हैं और अपनी मां के निधन के बाद पूरा फोकस काम पर रखना चाहती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अक्सर सितारों की लव लाइफ चर्चा में रहती है। कुछ हो ना हो, वह सुर्खियों में बने रहते हैं। अभिनेत्री जरीन खान ऐसी चर्चा ही नहीं, बल्कि अफेयर से भी दूर रहना चाहती हैं। जरीन ने खुद ही एक इंटरव्यू में बताया कि वह सिंगल हैं और फिलहाल शादी करने का कोई इरादा नहीं है। वह कहती हैं मैं सिंगल रहकर खुश हूं। मुझे अपनी जिंदगी में एक और तनाव नहीं चाहिए। जब आप किसी को अपनी जिंदगी में शामिल करते हैं तो मैं यह नहीं कहती हूं कि आप चार चांद ही लगा दें, बस परेशान न करें। मेरे जीवन में वैसे ही काफी चीजें हो रही हैं। फिलहाल मैं अपनी जिंदगी पर ध्यान दे रही हूं। जब तक मम्मी थीं, सारा ध्यान उन पर था। अब उनके जाने के बाद पूरा ध्यान अपने काम पर है।

बता दें सुपरस्टार सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 12 में नजर आने वाले कंटेस्टेंट शिवाशीष मिश्रा के साथ करीब 3 साल तक जरीन खान रिलेशनशिप में रहीं। हालांकि बाद में इन दोनों का आपसी सहमति के तहत ब्रेकअप हो गया। कभी शादी न करने के सवाल पर जरीन खान कहती हैं-नहीं, आसपास कई लोगों को देख रही हूं। मैं खुद ऐसे परिवार से आती हूं, जहां मेरे माता-पिता की शादी नहीं चली, लेकिन कारण वह नहीं है। आसपास जो हो रहा है, उसमें यही लगता है कि अकेले रहो खुश रहो। फिलहाल मैं किसी को ढूंढ नहीं रही हूं कि इसे पकड़कर शादी करनी है। मैं खुद के साथ बहुत ज्यादा खुश रहती हूं।

सपनों के किरदार निभा रही हूं : अदा शर्मा

मुंबई (ए.)। फिल्म द केरल स्टोरी की अपार लोकप्रियता ने अभिनेत्री अदा शर्मा के लिए फिल्म इंडस्ट्री में नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। हाल ही में अदा शर्मा ने बताया कि जब कोई फिल्म हिट होती है, तो ज्यादा लोग कलाकारों पर भरोसा करते हैं और उन्हें बड़े तथा चुनौतीपूर्ण काम सौंपने को तैयार रहते हैं। आजकल इंडस्ट्री में मैं अपने सपनों के किरदार निभा रही हूं। उनकी फिल्म द केरल स्टोरी ने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी और उन्हें एक बेहतरीन कलाकार के रूप में स्थापित किया।

इस सफलता के बाद से उन्हें कई अलग-अलग और कठिन भूमिकाएं निभाने के मौके मिल रहे हैं, जिनकी वह हमेशा से ख्वाहिश रखती थीं। फिल्म द केरल स्टोरी में अदा शर्मा ने शालिनी उन्नीकृष्णन नाम की एक पूर्व नर्सिंग छात्रा का किरदार निभाया था, जिसने दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई। यह फिल्म सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित की गई थी। फिल्म की कहानी जबरन धर्मांतरण और महिलाओं के आतंकी संगठन आईएसआईएस में शामिल होने के दावों पर आधारित थी। इसने शालिनी के जीवन के ऐसे सफर को दर्शाया, जिसमें एक मासूम लड़की आतंकवाद का शिकार बन जाती है। फिल्म की शुरुआत में शालिनी उन्नीकृष्णन (अदा शर्मा) को अफगानिस्तान-ईरान सीमा पर पकड़े जाने से होती है, जिसके बाद पूछताछ के दौरान वह बताती है कि कैसे केरल में नर्सिंग की पढ़ाई के दौरान उसका ब्रेनवॉश किया गया था।

यह फिल्म न केवल बॉक्स ऑफिस पर एक बहुत बड़ी व्यावसायिक सफलता साबित हुई, बल्कि इसने सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भी गहरी बहस छेड़ दी। हालांकि, फिल्म को रिलीज से पहले काफी विवादों का सामना करना पड़ा था। कई आलोचकों और समूहों ने इसे प्रोपेगेंडा बताया, जबकि इसके समर्थकों ने इसे समाज का एक कड़वा सच करार दिया। इन तीखे विवादों और विरोध प्रदर्शनों के बावजूद, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और बड़े पैमाने पर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। फिल्म की सफलता को देखते हुए, वर्ष 2026 में केरल स्टोरी 2 भी रिलीज की गई, जो इस फ्रेंचाइजी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

कभी नहीं सोचा था कि ये गाने आइकॉनिक बन जाएंगे : शंकर महादेवन

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड फिल्मों के संगीतकारों की प्रसिद्ध तिकड़ी शंकर-एहसान-लॉय के सदस्य और जाने-माने गायक-संगीतकार शंकर महादेवन ने हाल ही में फिल्म जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के गानों की लोकप्रियता पर बात की। शंकर महादेवन ने बताया कि 15 साल पहले जब ये गाने तैयार किए थे तब उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके बनाए गाने भविष्य में आइकॉनिक बन जाएंगे। शंकर महादेवन ने स्वीकार किया कि कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिनके गीत वर्षों बाद भी श्रोताओं की प्लेलिस्ट का अहम हिस्सा बने रहते हैं, और जिंदगी ना मिलेगी दोबारा उनमें से एक है। उन्होंने बताया कि दिल चाहता है या जिंदगी ना मिलेगी दोबारा जैसी फिल्मों के लिए संगीत बनाते समय उनकी टीम ने कभी यह कल्पना नहीं की थी कि ये गाने आगे चलकर आइकॉनिक ट्रेवल एंथम के रूप में जाने जाएंगे।

उनका एकमात्र उद्देश्य पूरी ईमानदारी और लगन के साथ काम करना था, जिसका परिणाम आज लोगों के सामने है। शंकर महादेवन ने आगे कहा कि फिल्म में दोस्ती और मस्ती के अलावा भावनाओं की कई गहरी परतें मौजूद हैं। फिल्म की कहानी के साथ-साथ इसका संगीत भी इन्हीं भावनाओं को बखूबी दर्शाता है, जो इसे केवल एक यात्रा की कहानी नहीं बल्कि रिश्तों और जीवन के अनुभवों की गहराई भी प्रदान करता है। फिल्म की हर परिस्थिति के लिए अलग-अलग गाने हैं जो दर्शकों को अपनी जिंदगी के सफर से जुड़ने का एहसास कराते हैं।

उन्होंने ख्वाबों के परिंदे जैसे गानों के भावनात्मक जुड़ाव को समझाते हुए कहा कि यह गाना फिल्म के एक ऐसे मोड़ पर आता है, जब दर्शक को बिल्कुल

अलग तरह का एहसास होता है। इसी तरह, देर लगी लेकिन और मैंने अब है जीना सीख लिया जैसे गीत आपकी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन सकते हैं, जो आपको अपने व्यक्तिगत अनुभवों और जीवन के उतार-चढ़ावों की याद दिलाते हैं। शंकर महादेवन के अनुसार, यही जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के संगीत की सबसे बड़ी खूबसूरती है। फिल्म में कुल सात बेहतरीन गाने और दो रीमिक्स शामिल थे, जो यात्रा, दोस्ती और जिंदगी को खुलकर जीने की भावना से गहराई से जुड़े हुए हैं। इनमें सेनोरिटा गाना बेहद खास है, जिसे खुद फिल्म के मुख्य कलाकारों ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल ने मारिया डेल मार फर्नांडीज के साथ मिलकर गाया था।

क्या सिंगर बादशाह की टूटेगी दूसरी शादी? पत्नी सोशल मीडिया पर कर रहीं क्रिप्टिक पोस्ट

ईशा ने पोस्ट में लिखा- कुछ लड़ाइयों के निशान नहीं होते, लंबे समय तक मैं चुप रही

नई दिल्ली,(ए.)। रैपर-सिंगर बादशाह की मैरिड लाइफ अब सुर्खिया बन रही हैं। इस वजह उनकी पत्नी ईशा हैं। बादशाह ने 4 महीने पहले एक्ट्रेस-मॉडल ईशा रिखी से दूसरी शादी की थी। सोशल मीडिया पर दोनों की वेडिंग फोटोज वायरल हुईं, जिसमें बादशाह खुश नजर आए, लेकिन बादशाह ने शादी को लेकर कभी कुछ नहीं कहा। पिछले कुछ दिनों से उनकी पत्नी ईशा सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट शेयर कर रही हैं, जिससे उनके तलाक की अफवाहें तेज हो गई हैं।

बादशाह की वाइफ ईशा रिखी की इंस्टाग्राम पोस्ट ने फैन्स के दिलों में खलबली मचा दी है। ईशा ने बिना किसी का नाम लिए एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर की, जिससे पता चल रहा है कि वो पर्सनल

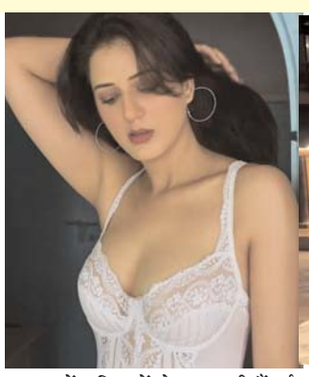

लाइफ में मुश्किलों से गुजर रही हैं। ईशा ने पोस्ट में लिखा कि कुछ लड़ाइयों के निशान नहीं होते। काफी लंबे समय तक मैं चुप रही, क्योंकि मैं अपने पति के इंफ्लुएंस, पावर और रिसोर्सेस के आगे कमजोर महसूस कर रही थी। मैंने खुद को यकीन दिलाया था कि मेरे लिए चुप रहना ही बेहतर रहेगा। मेरी खामोशी का मतलब ये नहीं था कि मैंने चीजों को स्वीकार कर लिया है, बल्कि मेरी खामोशी का मतलब था कि मैं सर्वाइवल के लिए लड़ रही थी।

आगे उन्होंने लिखा कि आज मैं डर के आगे अपनी हिम्मत को चुन रही हूं। मेरे अंदर अभी भी इतनी हिम्मत नहीं है कि मैं पूरी कहानी बता सकूं, लेकिन आज से मैं ये झूठ बोलना बंद कर दूंगी कि सबकुछ ठीक था।

पोस्ट के साथ ईशा ने टूटे हुए दिल का इमोजी शेयर की, जो उनके दुख को दिखाती है। ईशा को सेलेब्स और फैन्स का सपोर्ट मिल रहा है, जिसमें करण औजला की पत्नी पलक औजला भी शामिल हैं। जैस्मिन भसीन ने भी कमेंट करके ईशा को सपोर्ट किया। फैन्स उन्हें हिम्मत से काम लेने की नसीहत दे रहे हैं। एक ओर ईशा बैक-टू-बैक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर कर रही हैं। दूसरी ओर बादशाह चुप्पी बनाए हुए हैं।

अघोषित बिजली कटौती, गांधी पार्क और वृद्धावस्था पेंशन को लेकर कांग्रेस ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सीहोर (निप्र)। जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को अध्यक्ष राजीव गुजराती एवं शहर अध्यक्ष घनश्याम यादव के नेतृत्व में कलेक्टर को जनहित से जुड़े तीन प्रमुख मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जिले में हो रही अघोषित बिजली कटौती पर रोक लगाने, गांधी पार्क में प्रस्तावित सुलभ कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य निरस्त करने तथा पिछले कई महीनों से लंबित वृद्धावस्था पेंशन का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की गई। कांग्रेस ने ज्ञापन में कहा कि पिछले कई दिनों से जिले में बिना पूर्व सूचना के घंटों बिजली कटौती की जा रही है, जिससे किसानों की सिंचाई, विद्यार्थियों की पढ़ाई और आम नागरिकों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही है। साथ ही विभिन्न प्रकार के सरचार्ज जोडक़र उपभोक्ताओं पर महंगे बिजली बिलों का अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। पार्टी ने नियमित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने और अतिरिक्त सरचार्ज पर रोक लगाने की मांग की।ज्ञापन में गांधी पार्क को शहर का प्रमुख प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक सार्वजनिक स्थल बताते हुए कहा गया कि पार्क के भीतर सुलभ कॉम्प्लेक्स का निर्माण होने से इसकी प्राकृतिक सुंदरता, हरित वातावरण और पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होगा। कांग्रेस ने प्रशासन से निर्माण कार्य तत्काल रोककर इसे किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की। इसके अलावा कांग्रेस ने बताया कि जिले के हजारों गरीब, असहाय और बेसहारा बुजुर्गों को पिछले चार से पांच महीनों से वृद्धावस्था पेंशन की राशि नहीं मिली है। इससे उन्हें भोजन, दवाइयों और दैनिक जरूरतों की पूर्ति में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से लंबित पेंशन राशि का तत्काल भुगतान कराने की मांग की गई।जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से तीनों मांगों पर शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो आम नागरिकों के साथ लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

बिजली कंपनियों में पदोन्नति रुकी, अभियंता संघ ने मुख्यमंत्री से किया हस्तक्षेप का आग्रह

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश विद्युत मंडल अभियंता संघ ने प्रदेश की विभिन्न विद्युत कंपनियों में पात्र एवं वरिष्ठ अभियंताओं की पदोन्नतियां लंबे समय से लंबित रहने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। संघ का कहना है कि पर्याप्त संख्या में योग्य अभियंता उपलब्ध होने के बावजूद रिक्त पदों पर पदोन्नति नहीं की जा रही है, जिससे अधिकारियों के कैरियर के साथ-साथ रोजगार सृजन भी प्रभावित हो रहा है।संघ के अनुसार मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी तथा मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा जुलाई 2026 में कुछ पदोन्नति आदेश जारी किए गए, लेकिन इसके बाद भी कंपनी कैडर के पात्र अभियंताओं को पदोन्नति का लाभ नहीं मिला। संघ का दावा है कि ट्रांसमिशन कंपनी में सहायक अभियंता से कार्यपालन अभियंता के लगभग 69 पद तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 72 पद रिक्त होने के बावजूद नहीं भरे गए हैं।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 83 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कुबेरेश्वरधाम पर आज होगा गुरु दीक्षा महोत्सव, लाखों की संख्या में पहुंचें श्रद्धालु

पांच दिवसीय शिव महापुराण के समापन पर भावुक हुए श्रद्धालु, पवित्र रज माथे से लगाकर बोले-फिर लौटकर आएंगे कुबेरेश्वरधाम

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम में आयोजित पांच दिवसीय शिव महापुराण कथा के समापन के बाद बुधवार को गुरु दीक्षा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के अंतिम चरण में देशभर से श्रद्धालु कुबेरेश्वरधाम पहुंच चुके हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण हाईवे सहित धाम की ओर जाने वाले मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं और यातायात धीमी गति से चलता रहा।

हर साल की तरह इस साल भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु धाम पर पहुंचे थे, समिति और प्रशासन के सहयोग से ऐतिहासिक गुरुपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन सफल किया गया।पांच दिनों तक शिवभक्ति और सत्संग में डूबे श्रद्धालु जब कथा स्थल से लौटे तो वातावरण भावुक हो गया। अनेक श्रद्धालु कथा पंडाल की पवित्र रज मिट्टी को अपने माथे से लगाते हुए उसे अपने साथ ले जाते नजर आए। कई श्रद्धालुओं की आंखें नम थीं और वे एक-दूसरे से कहते दिखाई दिए फिर लौटकर आएंगे कुबेरेश्वरधाम। धाम परिसर में लगाए गए भावनात्मक संदेशों और पोस्टरों ने भी श्रद्धालुओं के हृदय को स्पर्श किया तथा विदाई के क्षणों को और अधिक भावुक बना दिया।

साईंनाथ बाबा की भव्य पालकी रथ यात्रा आज, नगर में गूंजेगा साईं भक्ति का उल्लास

सीहोर (निप्र)। नगर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण बुधवार, 29 जुलाई को देखने को मिलेगा, जब साईंनाथ सेवा संस्थान समिति के तत्वावधान में साईंनाथ बाबा की भव्य पालकी रथ यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा साईंनाथ मंदिर, गंज सीहोर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए पुन: मंदिर परिसर में संपन्न होगी।आयोजन के तहत प्रात:काल साईंनाथ मंदिर में बाबा का विधि-विधान से अभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चन किया जाएगा। इसके पश्चात सायं 4 बजे भव्य पालकी रथ यात्रा का शुभारंभ होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु साईं बाबा के जयघोष के साथ शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।साईंनाथ सेवा संस्थान समिति के संस्थापक ब्रजमोहन सोनी, अध्यक्ष लोकेश वर्मा, युवा अध्यक्ष तनिष्क सोनी, अर्जुन राठौर, पंडित पुनित शर्मा, अंकित राठौर सहित समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यात्रा को भव्य, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धामय बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत व्याख्यान आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर के पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 70 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व शर्मा ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जागरूक युवा ही नशामुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इस अवसर पर नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशामुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों की जानकारी दी गई तथा नशामुक्त समाज निर्माण में सहभागिता की शपथ दिलाई गई।

जिला जेल में शिविर लगाकर की गई हेपेटाइटिस की जांच

सीहोर (निप्र)। विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला जेल में विशेष हेपेटाइटिस जांच शिविर आयोजित कर बंदियों की हेपेटाइटिस-बी एवं सी की जांच की गई। इसके साथ ही वायरल लोड जांच के लिए रक्त नमूने परीक्षण केंद्र भेजे गए तथा उपचार बीच में छोड़ चुके मरीजों की पहचान कर उन्हें पुन: उपचार शुरू कराने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ रुचिरा उईके सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित थी।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 1260 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 28 जुलाई को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 889 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 371 बच्चों का टीकाकरण किया गया।

भारतीय जीवन बीमा निगम ने की अनूठी पहल, शासकीय विद्यालय के 42 बच्चों को वितरित किए स्कूल बैग, शैक्षणिक सामग्री

भेरूंदा (संजय कलमोर)। भारतीय जीवन बीमा निगम सेटेलाइट शाखा भैरुंदा ने अनुठी पहल करते हुए शासकीय प्राथमिक शाला नदीपार हाथीघाट के 42 बच्चों को स्कूल बैग, कॉपी,पेन, पेंसिल, बालपौथी आदि सामग्री वितरित किए,इस अवसर पर सेटेलाइट शाखा भैरुंदा से पधारे ब्रांच मैनेजर शशांक खरे जी ने बताया कि काफी समय से वह किसी स्कूल में बच्चों के लिए कुछ करना चाहते है, खरे जी को उनके साथी ने शासकीय प्राथमिक शाला नदीपार हाथीघाट के बारे में बताया कि इस इस विद्यालय ने कैसे अपनी स्थिति सुधार करते हुए छात्र संख्या 06 से छात्र संख्या 42 तक पहुंचाई है , पूरी कहानी जब खरे जी ने सुनी तो उन्होंने हाथीघाट विद्यालय में सहयोग करने की बात रखी ।

आज जगतगुरु पंडित अजय पुरोहित के निवास पर मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

गुरु पूजन, चरण वंदन, सत्संग एवं महाप्रसादी का होगा आयोजन

सीहोर (निप्र)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहर के चाणक्यपुरी स्थित श्री अयोध्यानाथ मंदिर गुरुदेव के निज निवास पर जगतगुरु पंडित अजय पुरोहित के सान्निध्य में बुधवार को भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिले सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

प्रात: 11 बजे से गुरु चरण वंदन एवं पूजन का कार्यक्रम होगा। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे से गुरु सत्संग, भजन एवं चालीसा पाठ आयोजित किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक जीवन से जुड़े प्रेरणादायी संदेश प्रदान किए जाएंगे। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे से महाप्रसादी (भोजन प्रसादी) का वितरण किया जाएगा। आयोजन के दौरान देशभर से पहुंचे श्रद्धालु अपने पूज्य गुरुदेव का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का महापर्व है। इस अवसर पर श्रद्धालु गुरु का पूजन कर आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे तथा सत्संग के माध्यम से धर्म और संस्कारों का संदेश ग्रहण करेंगे। जिले एवं आसपास के समस्त श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर गुरु पूजन, सत्संग एवं महाप्रसादी का लाभ प्राप्त करें और इस पावन आयोजन को सफल बनाएं।

आश्रम में मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

सीहोर (निप्र)। गुरु पूर्णिमा महोत्सव संत आसाराम बापू गणेश मंदिर रोड स्थित आश्रम में पारंपरिक रूप से मनाया जाएगा। संत आसाराम बापू के साधक साधिकाओं और आश्रम के सेवादारों श्रद्धालुओं ने गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारी शुरू कर दी हैं। योग वेदांत सेवा समिति संरक्षक सुदर्शन राय समिति अध्यक्ष केके विश्वकर्मा ने बताया कि गुरू-पूर्णिमा महोत्सव उपलक्ष में बुधवार, 29 जुलाई सुबह 11 बजे मानस पूजन कार्यक्रम होगा जिस के बाद संगीतमय आशारामायणजी पाठ किया जाएगा। सत्संग व कीर्तन महाआरती के कार्यक्रम होंगे तत्पश्चात विशाल भण्डारा भी आश्रम में आयोजित किया गया है। योग वेदांत समिति संत श्री आसाराम बापू आश्रम परिवार के द्वारा सभी गुरु शिष्यों और श्रद्धालु जनों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

अनियमितताओं को रोकने के लिए जांच दल ने किया मेडिकल दुकानों का निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार मेडिकलों से विक्रय होने वाली दवाओं एवं मेडिकल दुकानों पर अनियमितताओं की रोकथाम के उद्देश्य से निरीक्षण दल द्वारा सीहोर स्थित आरके मेडिकल, भदोरिया मेडिकल, श्री राधे मेडिकल, शिव शंकर मेडिकल और पालीवाल मेडिकल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जांच दल द्वारा मेडिकल दुकानों में साफ सफाई, दवाओं के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड, एक्सपायर्ड दवाओं का रख-रखाव तथा प्रतिबंधित दवाओं के विक्रय आदि की जांच की गई और दवाओं के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए।

अवैध रेत परिवहन पर बवाल, ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक की कर दी पिटाई

बिना रॉयल्टी रेत ले जा रहे ट्रैक्टरों का ग्रामीणों ने किया विरोध, वीडियो वायरल

भैरुंदा (संजय कलमोर)। अवैध रेत परिवहन को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बिना रॉयल्टी के रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ग्रामीण रास्ते से निकलने का विरोध करने पर ट्रैक्टर चालक और ग्रामीणों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है मामला सीहोर जिले के भैरुंदा तहसील के ग्राम छापरी से निमोटा होते हुए बबलीखेड़ा और सनकोटा गांव के ग्रामीण मार्ग का है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस कच्चे रास्ते से प्रतिदिन 50 से 60 रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली बिना रॉयल्टी के गुजरते हैं। जब ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालकों से इस रास्ते से निकलने की अनुमति के बारे में पूछा, तो कथित तौर पर कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि ट्रैक्टर चालक ने रोज इसी रास्ते से निकलने की बात कही, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और ग्रामीणों ने चालक की पिटाई कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि भारी वाहनों की आवाजाही से कच्चा रास्ता पूरी तरह खराब हो गया है। इससे बच्चों को स्कूल जाने और मरीजों को अस्पताल ले जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उनका यह भी आरोप है कि कार्रवाई से बचने के लिए मुख्य मार्ग की बजाय ग्रामीण रास्तों का इस्तेमाल किया जाता है। घटना की सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और बिना रॉयल्टी के रेत परिवहन कर रहे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर उन्हें लाड़कुई चौकी में खड़ा कराया। अब बड़ा सवाल यही है कि बिना रॉयल्टी रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली पर प्रभावी रोक कब लगेगी।

बिना रॉयल्टी ट्रैक्टर ट्रॉली रेत परिवहन पर प्रशासन की चुप्पी, खमियाजा भुगत रहे ग्रामीण

भैरुंदा क्षेत्र में बिना रॉयल्टी रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली का अवैध परिवहन लगातार जारी है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉली ग्रामीण मार्गों से रेत का परिवहन कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। खनिज विभाग एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा मात्र खानापूर्ति की कार्रवाई की जाती है, लेकिन वह केवल औपचारिकता तक सीमित रहती है। यही कारण है कि अवैध ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत परिवहन पर अब तक प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया है। पूर्व में भी भैरुंदा क्षेत्र के एक गांव में रेत से भरा एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर एक दुकान में घुस गया था। उस घटना के बाद ग्रामीणों ने गांव के रास्तों से रेत से भरे वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने की मांग की थी, रॉयल्टी के बिना रेत का परिवहन कर शासन को राजस्व का नुकसान पहुंचाया जा रहा है। कार्रवाई से बचने के लिए ट्रैक्टर चालक मुख्य मार्गों की बजाय ग्रामीण सड़कों का उपयोग करते हैं। अवैध रेत परिवहन में लगे कई ट्रैक्टर चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं होता है। इसके अलावा ट्रैक्टरों के दस्तावेज भी पूर्ण नहीं होते। कई वाहनों के आवश्यक कागजात, जैसे पंजीयन, फिटनेस, बीमा या अन्य जरूरी दस्तावेज अधूरे होने के बावजूद वे सड़कों पर बेरोकटोक संचालित हो रहे हैं। और बेरोकटोक ट्रैक्टर-ट्रॉली चलाकर ग्रामीण सड़कों पर फर्राटा भर रहे हैं। इससे न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि राहगीरों और ग्रामीणों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। स्थानीय प्रशासन और खनिज विभाग की गतिविधियों की जानकारी ट्रैक्टर चालकों तक पहले ही पहुंच जाती है। व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से कार्रवाई और अधिकारियों की लोकेशन साझा की जाती है, जिससे अवैध परिवहन करने वालों को बचने में आसानी होती है।

शहर के चर्च मैदान पर राज्य स्तरीय जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता

एक तरफा मुकाबले में इंदौर ने रतलाम को 4-1 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर मध्यप्रदेश फुटबाल एसोसिएशन के निर्देश पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में जारी राज्य स्तरीय जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता के दूसरे दिन एक मात्र खेला गया। इसमें इंदौर ने एक तरफा मुकाबले में रतलाम को 4-1 से हराया। इस मौके पर इंदौर फुटबाल एसोसिएशन के सचिव नीरज शर्मा, सीनियर खिलाड़ी अरुण राठौर, एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया, मनोज दीक्षित मामा, राजेश शाक्य, डॉ. सपन कुमार विश्वास, महेश कुमार, आयुष गुप्ता आदि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।मंगलवार को दोपहर में रिमझिम बारिश के मध्य इंदौर-रतलाम के मध्य शानदार मैच देखने को मिला। पहले हाफ तक दोनों ही टीम ने कई गोल करने के प्रयास किए, लेकिन खेल के अंतिम समय में इंदौर के खिलाडी अर्नव, आयुष, प्रियांशु और श्रेय ने 1-1 गोल किए। इस प्रकार इंदौर ने रतलाम को 4-1 से हराया। इस मैच में रतलाम की ओर से 1 मात्र गोल आदिराज सिंह ने किया।एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि बुधवार को दोपहर 1 बजे पहला मुकाबला शिवपुरी-नर्मदापुरम और ढाई बजे दूसरा मुकाबला सीहोर-भोपाल के मध्य खेला जाएगा। मंगलवार को ग्वालियर और नीमच का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण समय पर नहीं हो सका।

सावन माह और कांवड़ यात्रा में व्यवस्था संभालेगी सीवन पुत्र टीम

सीहोर (निप्र)। आगामी सावन माह में सीवन नदी तट से निकलने वाली कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं में सीवन पुत्र टीम सक्रिय योगदान देगी। टीम द्वारा महिला घाट सहित विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता और व्यवस्थापन के लिए विशेष सेवाएं दी जाएंगी।सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि सीवन अभियान पिछले 124 दिनों से लगातार चल रहा है और इसका उद्देश्य नदी के मूल स्वरूप की रक्षा तथा पूर्ण पुनरुद्धार है। अभियान के तहत नदी संरक्षण एवं स्वच्छता को लेकर लगातार जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान अब राष्ट्रीय स्वरूप ले चुका है और देश की विभिन्न नदियों के नाम पर सीवन पुत्र एवं सीवन पुत्री बनाकर लोगों को नदी संरक्षण से जोड़ा जा रहा है, ताकि नदियों में किसी प्रकार की गंदगी न फैले।उन्होंने बताया कि सावन माह में महिला घाट छावनी से प्रारंभ होकर कुबेरेश्वर धाम तक भव्य कांवड़ यात्रा निकलेगी। इस दौरान मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सीहोर पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महिला घाट पर सीवन प्रहरियों की पूर्व से ही नियुक्ति की गई है।अभियान के अंतर्गत सीवन तटों पर पूजन एवं विसर्जन सामग्री पात्र भी रखे जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालु पूजन सामग्री नदी में न डालकर निर्धारित पात्रों में ही विसर्जित करें।इस सेवा कार्य में सीवन पुत्र प्रदीप साबू, ब्रजेश पाराशर, मुकेश राय, प्रकाश यादव, कैलाश चव्हाण, वैभव राठौर, राधेश्याम मकवाना, राहुल राय, कनीराम मालवीय, लक्ष्मण चौकसे, जगदीश वर्मा, संतोष मेवाड़ा, राजकुमार सोनी, सुरेश भगत, उमेश चावड़ा, रवि माहेश्वरी, राहुल माहेश्वरी, राजेश शर्मा, सतीश सीठा, मांगीलाल मालवीय, विल्सन जैन, अशोक नामदेव, योगेंद्र राय, सुनील मालवीय, जितेंद्र कौशल, मनोहर राय, जगदीश गोयल, अथर्व चावड़ा, नितिन मालवीय सहित अनेक स्वयंसेवक एवं सीवन पुत्रियां सक्रिय रूप से सहयोग कर रही हैं। सीवन पुत्र टीम ने नगरवासियों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे कांवड़ यात्रा के दौरान स्वच्छता बनाए रखें और नदी संरक्षण के इस अभियान में सहभागी बनें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

गुरु पूर्णिमा
के पावन अवसर पर
श्रद्धेय गुरुजनों को नमन
महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व
अलंकरण समारोह
नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
29 जुलाई, 2026 । गीता भवन
माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन
सांदीपनि विद्यालय
चरण-I एवं II
8.48 लाख+
विद्यार्थी क्षमता
773
विद्यालय
₹24,915
करोड़ का निवेश
शिक्षा का आधुनिक सुदृढ़ीकरण
सांदीपनि विद्यालयों में-
नर्सरी से 12वीं तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
विश्व स्तरीय अधोसंरचना-
सर्वसुविधायुक्त डिजिटल कक्षाएं, स्मार्ट बोर्ड, आधुनिक लैब, कंप्यूटर एवं समृद्ध पुस्तकालय
निःशुल्क और सुरक्षित बस सुविधा-
CCTV निगरानी, प्रशिक्षित स्टाफ के साथ
समग्र व्यक्तित्व विकास-
व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता पर विशेष फोकस
बेहतर परीक्षा परिणाम-
10वीं कक्षा का परिणाम 68 से बढ़कर हुआ 88 प्रतिशत, वर्ष 2026 में 10वीं के 41 विद्यार्थी, 12वीं के 17 विद्यार्थी मेरिट में
BLOCK-B
शासकीय सांदीपनि ठाकुर लाल सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
बैरसिया जिला - भोपाल (म. प्र.)
सीधा प्रसारण
webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
D-11066/26
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी